संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 198
पृष्ठ 8
बुधवार
09 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– गर्मी में बच्चों को देते हैं बर्फ का गोला?

विचार– संसद में वक्फ बिल के पारित होने...

खेल– श्रीलंका में वनडे त्रिकोणीय सीरीज...

कैबिनेट मीटिंगः कई अहम प्रस्तावों को मिली मंजूरी

योगी सरकार ने बढ़ाया पीआरडी जवानों का भत्ता

- पीआरडी जवान अब पायेंगे 395 कि जगह 500 रूपये
- आवास विभाग के हाईटेक टाउनशिप नीति में संशोधन पर सहमति

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है। कैबिनेट ने प्रांतीय रक्षकदल यानि पीआरडी जवानों का भत्ता बढ़ाये जाने को हरी झंडी दे दी है। यूपी सरकार ने पीआरडी जवानों का भत्ता 395 से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया है। पीआरडी जवानों के भत्ते में 105 रुपए की बढ़ोत्तरी की गयी है। योगी कैबिनेट की इस निर्णय से 34,000 पीआरडी जवान लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश आवास विभाग के हाईटेक टाउनशिप नीति में संशोधन के प्रस्ताव और नगरीय उपयोग प्रभार शुल्क वसूलने के लिए बनायी गयी नियमावली को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गयी है। वहीं हाथरस में मेडिकल कालेज बनाने के लिए भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने पास कर दिया है।कैबिनेट बैठक में जिन प्रस्तावों को मंजूरी मिली है, उनमें क्रमशः प्रांतीय रक्षकदल के स्वयंसेवकों का भत्ता बढ़ाये जाने,हाथरस में मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव, नगरीय उपयोग प्रभार का निर्धारण व संग्रहण, उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास संशोधन नियमावली–2023 के तहत नियमावली–2025 जारी किए जाने के संबंध का प्रस्ताव पास हुआ कार्यशील हाईटेक टाउनशिप परियोजनाओं, इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति–2005, 2014 और उप्र टाउनशिप नीति–2023 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं और विकास प्राधिकरणों द्वारा स्वीकृत या संचालित आवासीय परियोजनाओं में गृह कर, जल कर के संबंध में प्रस्ताव को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।अयोध्या में मंदबुद्धि छात्रों के लिए 4000 वर्ग मीटर जमीन ब्रम्हकुंड अयोध्या में नजूल गाटा–संख्या–695 को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को उपलब्ध कराने के संबंध में निर्णय लिया गया है।अयोध्या में 300 बेड का चिकित्सालय बनाने के लिए पुराने सीतापुर आई हास्पिटल की भूमि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के नाम हस्तांतरित करने के संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।परिवहन विभाग के कर ढांचे में बदलाव किए जाने के संबंध में नई अधिसूचना जारी करने को भी कैबिनेट ने मंजूर कर लिया है। उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम सिल्क टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पालिसी–2017 के तहत छूटी इकाइयों को अनुदान दिए जाने के संबंध में प्रस्ताव भी मंजूर हो गया है।

मुर्मु को पुर्तगाल में 'सिटी की ऑफ ऑनर' सम्मान से नवाजा गया

नयी दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल की यात्रा पर गयी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिस्बन के मेयर ने लिस्बन शहर का 'सिटी की ऑफ ऑनर' सम्मान प्रदान किया है। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार श्रीमती मुर्मु को लिस्बन के सिटी हॉल में आयोजित एक समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर मेयर और लिस्बन के लोगों को इस सम्मान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लिस्बन खुले विचारों, लोगों की गर्मजोशी और अपनी संस्कृति के साथ–साथ सहिष्णुता तथा विविधता के प्रति सम्मान के लिए जाना जाता है। उन्होंने इस बात पर खुशी जतायी कि लिस्बन एक वैश्विक शहर है जो तकनीकी परिवर्तन, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल बदलाव के मामले में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में भारत और पुर्तगाल आगे भी सहयोग कर सकते हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा द्वारा पलासियो दा अजुडा में उनके सम्मान में आयोजित भोज में भाग लिया। राष्ट्रपति ने अपने भोज भाषण में कहा ,"हमारे लोगों के बीच सांस्कृतिक संबंध सदियों पुराने हैं और इन संबंधों ने हमारी सामूहिक कल्पना पर अमिट छाप छोड़ी है। इनमें हमारा साझा अतीत शामिल है जो वास्तुकला, ऐतिहासिक स्थलों और भाषाओं के साथ–साथ हमारे व्यंजनों में भी झलकता है। यह वर्ष विशेष महत्व रखता है क्योंकि हम भारत–पुर्तगाल द्विपक्षीय संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हमारे प्राकृतिक तालमेल और विविध क्षेत्रों में सहयोग की क्षमता के साथ, हमारे ऐतिहासिक संबंध एक गतिशील और दूरदर्शी साझेदारी बनने की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहे हैं।" पुर्तगाल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा, आईटी, स्टार्ट–अप, अनुसंधान, शैक्षिक और सांस्कृतिक सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत–पुर्तगाल सहयोग में निरंतर और प्रगतिशील वृद्धि पर प्रसन्नता हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्ट–अप और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अपनी ताकत का उपयोग कर एक समावेशी और सतत विकास मॉडल तैयार कर रहा है, जिससे सभी को लाभ हो। उन्होंने कहा कि भारत इन प्रयासों में पुर्तगाल को अपना भागीदार मानता है। राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देने में पुर्तगाल की भूमिका की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भारत–पुर्तगाल द्विपक्षीय संबंध और भी घनिष्ठ और व्यापक होंगे और यह न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए लाभकारी होगा।

राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा पत्र, बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनुरोध किया है कि वे सुनिश्चित करें कि बंगाल के स्कूलों के शिक्षक और गैर–शिक्षण कर्मचारी जिन्होंने निष्पक्ष साधनों के माध्यम से अपनी नौकरी हासिल की है, उन्हें जारी रखने की अनुमति दी जाए। राष्ट्रपति को पत्र लिखते हुए, जो स्वयं एक पूर्व शिक्षक हैं, राहुल ने लिखा कि आपने स्वयं एक शिक्षक के रूप में काम किया है। मुझे यकीन है कि आप इस अन्याय की भारी मानवीय कीमत को समझते हैं – शिक्षकों, उनके परिवारों और छात्रों के लिए। राहुल ने आगे लिखा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया उनके अनुरोध पर अनुकूल रूप से विचार करें और सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि निष्पक्ष साधनों के माध्यम से चुने गए उम्मीदवारों को जारी रखने की अनुमति दी जाए। राहुल ने कहा कि बेदाग शिक्षकों को दागी शिक्षकों के बराबर मानना घ्अन्याय होगा। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को नई दिल्ली में राहुल से मुलाकात की थी। इससे एक दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय ने 25,753 शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को दोषपूर्ण करार देते हुए खारिज कर दिया था और पिछले साल के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा था। कलकत्ता उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों ने राज्य सरकार और स्कूल सेवा आयोग से उन लोगों को चिन्हित करने को कहा था, जिन्हें उचित प्रक्रिया के माध्यम से नौकरी मिली, जबकि अन्य लोगों ने कथित तौर पर अपनी नौकरियां खरीदीं।

झुग्गीवालों के अच्छे दिन की शुरुआत, सीएम रेखा गुप्ता ने 700 करोड़ की योजना का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों के लिए 'अच्छे दिन' शुरू हो रहे हैं, क्योंकि झुग्गियों और कॉलोनियों के लिए श्वास्तव मेंश काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) में 700 करोड़ रुपये की धनराशि झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों के कल्याण के लिए है और 10 साल पहले बनाए गए 52,000 फ्लैट अब जीर्णोद्धार के बाद उन्हें दिए जाएंगे। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए सीएम गुप्ता ने कहा कि उन्होंने झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों के लिए काम नहीं किया और लोगों को गुमराह किया कि भाजपा सरकार उनके लिए काम नहीं करेगी, लेकिन आज भाजपा सरकार हर गरीब का ख्याल रख रही है और उनके लिए बुनियादी सुविधाएं, पानी, पार्क, शौचालय सुनिश्चित कर रही है।

तमिलनाडु के राज्यपाल का 2023 में 10 विधेयकों को रोकना अवैध : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि के वर्ष 2023 में 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजने के फैसले को मंगलवार को अवैध, गलत और त्रुटिपूर्ण घोषित कर दिया। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने श्री रवि द्वारा की गई उन सभी कार्रवाइयों को खारिज करने का फैसला सुनाया। पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्यपाल संविधान के तहत श्पॉकेट वीटोश या पूर्ण वीटो का इस्तेमाल नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने कहा, "पॉकेट वीटो या पूर्ण वीटो की अवधारणा का संविधान में जगह नहीं। जितनी जल्दी हो सके, इसका मतलब है कि राज्यपाल को विधेयकों को अपने पास लेकर बैठे रहने की अनुमति नहीं है।" अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए फैसला सुनाया और कहा कि 10 विधेयक राज्यपाल के समक्ष दोबारा पेश किए जाने की तारीख से ही स्पष्ट माने जाएंगे। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल द्वारा स्वीकृति रोके जाने के बाद उन्हें अनुच्छेद 200 के प्रथम प्रावधान के अनुसार प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। न्यायालय ने कहा, "राज्यपाल विधेयकों को अपने पास रख कर पॉकेट वीटो का प्रयोग नहीं कर सकते। राज्यपाल के लिए स्वीकृति रोके जाने की घोषणा करने की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए अनुच्छेद 200 के तहत पॉकेट वीटो का कोई प्रावधान नहीं है।" शीर्ष अदालत ने विधेयकों पर समय–सीमा निर्धारित करते हुए कहा कि स्वीकृति रोके जाने तथा मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए आरक्षित किए जाने की स्थिति में समय–सीमा अधिकतम एक महीने की है। यदि मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना स्वीकृति रोकी जाती है तो विधेयक को तीन महीने के भीतर वापस करना होगा। पीठ ने अंत में, स्पष्ट किया कि राज्य विधानसभा की ओर से पुनर्विचार के बाद विधेयक प्रस्तुत किए जाने की स्थिति में राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर एक महीने के भीतर स्वीकृति दी जानी चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि इस समय–सीमा का पालन न किए जाने पर न्यायिक जांच की जाएगी।

जनरल द्विवेदी ने सुरक्षा और परिचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए श्रीनगर का दौरा किया

श्रीनगर, एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन करने और बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर का दौरा किया है। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि अपने दौरे के दौरान जनरल द्विवेदी ने क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य पर श्रीनगर स्थित चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सेना प्रमुख ने फॉर्मेशन कमांडरों के साथ भी बातचीत की और सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। गौरतलब है कि सेना प्रमुख का दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू–कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। गृह मंत्री मंगलवार को श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं। सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जनरल द्विवेदी ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों का आकलन करने के लिए श्रीनगर का दौरा किया।

तीन और समूहों ने हुर्रियत से नाता तोड़ा : शाह

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तीन और अलगाववादी संगठनों– जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग तथा कश्मीर फ्रीडम फ्रंट ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से खुद को अलग करने की घोषणा की है। जम्मू–कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार शाम यहां पहुंचे श्री शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट पर इसकी घोषणा की और कहा कि इस कदम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एकजुट और शक्तिशाली भारत के दृष्टिकोण को और बढ़ावा मिला है। श्री शाह ने 'एक्स' पर कहा, "जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू–कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है।" उन्होंने कहा कि यह कदम घाटी के लोगों के भारत के संविधान में विश्वास का एक प्रमुख प्रदर्शन है। श्री शाह ने कहा, "एकजुट और शक्तिशाली भारत के लिए मोदी जी का दृष्टिकोण आज और भी मजबूत हो गया है, क्योंकि अब तक 11 ऐसे संगठनों ने अलगाववाद को त्याग दिया है और मोदी जी के दृष्टिकोण के लिए अटूट समर्थन की घोषणा की है।" अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, हुर्रियत कॉन्फ्रेंस लगभग समाप्त हो गई है। हुर्रियत के कट्टरपंथी धड़े का लगभग पूरा शीर्ष और मध्यम–स्तर का नेतृत्व जेल में है, जबकि उदारवादी धड़े के दो घटकों पर पिछले महीने केंद्र ने प्रतिबंध लगा दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री रविवार शाम को जम्मू पहुंचे।

कांग्रेस अधिवेशन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा शुरू

अहमदाबाद, एजेंसी। कांग्रेस में बड़े बदलाव की उम्मीद से आयोजित कांग्रेस का दो दिन चलने वाला गुजरात अधिवेशन मंगलवार को यहां शाहीबाग, सरदार पटेल स्मारक में शुरू हो गया, जिसमें पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की विस्तारित बैठक में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हो रही है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी के तमाम बड़े नेता यहां सरदार पटेल स्मारक हॉल के सामने बने विशाल पंडाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनौतियों से निपटने और कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के मुद्दे पर विचार– विमर्श कर रहे हैं। पार्टी के बेलगांव सम्मेलन के बाद उसके प्रस्तावों को इस अधिवेशन के जरिए आगे बढ़ाने की नीति पर विचार होगा। कांग्रेस 2025 को पार्टी में सुधार लाने के लिए काम कर रही है और इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस सम्मेलन के दौरान पार्टी के जिला स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम किया जाएगा। अधिवेशन से पहले पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस जिला अध्यक्षों का तीन दिन का सम्मेलन बुलाया था, जिसमें देश के विभिन्न जिलों के 800 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सरदार पटेल की सोच कांग्रेस की विरासत : खरगे

अहमदाबाद, एजेंसी। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे में कहा है कि सरदार वल्लभभाई पटेल और पंडित जवाहरलाल नेहरू के संबंधों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भले ही दुष्प्रचार का प्रयास कर रही है, लेकिन सच यह है कि दोनों की सोच एक थी और इसी के परिणामस्वरूप सरदार पटेल ने आरएसएस पर बैन लगाया और दुनिया भर में कांग्रेस का नाम रोशन किया। श्री खरगे ने मंगलवार को यहां शाहीबाग में सरदार पटेल स्मारक परिसर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन के लिए बने विशाल सभागार में अधिवेशन की पहले दिन आज पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति सीडब्ल्यूसी की विस्तारित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़कर देश के बुनियादी मसलों से ध्यान भटकाने का आज काम हो रहा है और सीमित लोगों द्वारा देश के संसाधनों पर क़ब्ज़ा करते हुए शासन को नियंत्रित करने का काम हो रहा है। उनका कहना था कि सरदार पटेल कांग्रेस की विरासत है और उनके दिखाए रास्ते पर चलकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "गुजरात की धरती पर पैदा हुई तीन महान हस्तियों ने कांग्रेस का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। इनमें दादा भाई नौरोजी, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल– ये सभी हमारी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रहे। गांधी जी ने हमें अन्याय के खिलाफ सत्य और अहिंसा का हथियार दिया। ये इतना मजबूत वैचारिक हथियार है कि इसके सामने कोई ताकत टिक नहीं सकती। गांधीजी के नेतृत्व में चम्पारण सत्याग्रह सफल रहा और उसने गांव–गांव में कांग्रेस की जड़ों को जमाने में ठीक वैसे ही मदद की जैसे गुजरात में सरदार पटेल के नेतृत्व में बारडोली सत्याग्रह चला।" श्री खरगे ने कहा , "इस साल 31 अक्टूबर को सरदार पटेलज की 150वीं जयंती है जिसे हम देश भर में उल्लास से मनाएँगे। पंडित नेहरू उन्हें श्भारत की एकता का संस्थापकश कहते थे। जब सरदार पटेल कांग्रेस अध्यक्ष थे तो उनके नेतृत्व में कराची कांग्रेस अधिवेशन में मौलिक अधिकारों पर जो प्रस्ताव पारित हुए वह भारतीय संविधान की आत्मा है। सरदार पटेल संविधान सभा की महत्वपूर्ण 'मूल अधिकारों, अल्पसंख्यकों तथा आदिवासी एरिया समिति के अध्यक्ष थे।"उन्होंने कहा, "पिछले कई सालों से कई राष्ट्रीय नायकों को लेकर एक सोचा समझा षड्यंत्र चलाया जा रहा है और 140 सालों से देश में सेवा और संघर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली कांग्रेस पार्टी के खिलाफ वातावरण बनाने का काम वे लोग कर रहे हैं जिनके पास अपनी उपलब्धियां दिखाने को कुछ भी नहीं है। आजादी को लड़ाई में अपना योगदान बताने को कुछ भी नहीं है।

पानी न मिलने से मुश्किल में जिंदगानी, जल कर के बोझ से दबी हजारों आबादी

प्रयागराज। पुराने शहर के करेली में पेयजल समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। पिछले डेढ़ साल से घरों में पानी नहीं आ रहा है। एनुद्दीनपुर, मुन्ना मस्जिद, जेके नगर आदि इलाकों में टैंकर के सहारे जलापूर्ति की जा रही है, जो इतनी बड़ी आबादी के लिए नाकाफी साबित हो रही है। हालत यह है कि टैंकर आने से पहले बाल्टी–डिब्बे लेकर कतार खड़े हो जाते हैं। टैंकर पहुंचने पर पानी के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। कई बार बगैर पानी मायूस होकर लौटना पड़ता है। पीने का पानी लोगों को खरीदना पड़ रहा है। इसके लिए हर परिवार को करीब दो हजार का अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। एक तरफ पानी के जद्दोजहद करनी पड़ रही है तो वहीं, वाटर टैक्स का बोझ भी लोगों पर लादा जा रहा है। करीब 2000 की आबादी पीने के पानी के लिए भटक रही है। हालांकि स्थानीय पार्षद सहित तमाम समाजसेवी इसके समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। लेकिन हालात जल्द सुधरने के आसार नहीं दिख रहे हैं। पेयजल समस्या के साथ ही यहां बदहाल सड़कें और सफाई व्यवस्था का अभाव लोगों के लिए परेशानी है।

करेली में करीब एक दर्जन मोहल्ले भीषण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। अरसे से कई घरों की टोटियां सूख चुकी हैं। कुछ घर तक पानी पहुंचता भी है तो 10–20 मिनट। इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं मिल पा रहा है। बीते रमजान के महीने में लोगों को सहरी एवं इफ्तारी के समय पानी के लिए परेशान होना पड़ा। स्थानीय लोगों को इस बात का भी मलाल है कि ईद पर भी पानी के लिए कतार लगानी पड़ी। गौस नगर, जेके नगर, मुन्ना मस्जिद, जिकरा माडल स्कूल, एनुदध्दीनपुर आदि बस्तियों में हालात बेहद खराब हैं। टैंकर के सहारे पानी पहुंचाया जा रहा है, जो इतनी बड़ी आबादी के लिए नाकाफी है। जिस दिन टैंकर नहीं आता उस दिन पानी भी नहीं मिलता है। टैंकर पहुंचने पर पहले पानी लेने की होड़ में कई बार धक्कामुक्की भी हो जाती है। आठ से 10 सदस्य के परिवार में करीब दो हजार रुपये प्रतिमाह पीने के पानी पर खर्च किया जाता है। अल्प आय वर्ग और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए यह रकम काफी भारी पड़ रही है। लेकिन, पानी की जरूरत ही कुछ ऐसी है कि इसे चाह कर भी लोग नजरअंदाज नहीं कर पाते। इन सबके बावजूद पानी का भारी भरकम बिल भेजा जाना स्थानीय लोगों की जेब पर भारी बोझ जैसा है। लोगों का आरोप है कि मनमाने तरीके से पानी का बिल भेजा रहा है। शिकायत करने पर कोई सुनने वाला नहीं है। बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी जा रही है। उनका कहना है कि जब पानी खरीदकर ही प्यास बुझानी है तो वाटर टैक्स का बोझ क्यों लादा जा रहा है। पार्षद आजाद अहमद का कहना है कि इस गंभीर समस्या से महापौर को अवगत कराया जा चुका है। यहां के लिए एक अतिरिक्त नलकूप भी पास हो चुका है।

लेकिन मामला फाइलों में अटका है। नया नलकूप लगने के बाद ही समस्या का स्थाई हल हो सकेगा।

सड़कें ऐसी की वाहनों के कलपुर्जे हो रहे खराब

करेली की अधिकांश सड़कें बदहाली का शिकार हैं। कई जगह तो सड़क बनाई ही नहीं जा रही है। गौस नगर, जेके नगर, एनुद्दीनपुर सहित अधिकांश मोहलों की सड़कों पर बड़े–बड़े गडध्ढे हो गए हैं। सड़क पर गिटध्टी बिखरी है। जरा सी चूक राहगीरों को दर्द दे रही है। सड़क की हालत ऐसी है कि वाहनों के शॉकर समय से पहले दम तोड़ दे रहे हैं। कलपुर्जे ढीले हो जा रहे हैं। खस्ताहाल सड़क पर दस मिनट का सफर तय करने में आधे घंटे तक लग जाते हैं। स्मार्ट सिटी में बस्तियों की ये हालत सवाल खड़े कर रही है। पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त,

जगह–जगह जलभराव

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के कारण कई जगह सड़क और गलियों में जलभराव है। गंदा पानी और कीचड़ के कारण मच्छरों की तादात बढ़ती जा रही है। लोगों की रातों की नींद उड़ी है। दिन में भी सुकून नहीं मिल रहा है। क्वायल और स्प्रे आदि भी काम नहीं कर रहे। गंदगी एवं जलभराव के कारण मच्छर एवं जलजनित रोगों के फैलने का खतरा मंडराने लगा है। समय रहते कार्रवाई न की गई तो तमाम बस्तियों में डायरिया, हैजा, उल्टी दस्त सहित डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि बीमारी पनप सकती है।

पूरे इलाके में पेयजल के लिए हाहाकार मचा है। टैंकर से पानी भेजा जा रहा है जो लोगों की जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहा।

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों से जलजमाव और गंदगी फैल रही है, बीमारी फैलने का पूरा अंदेशा है।

सड़कों व गलियों की हालत बेहद खराब है। कहीं–कहीं तो सड़क ही नहीं बनाई गई है।

पानी न आने के बावजूद लोगों को भारी भरकम बिल भेज दिया गया है, कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

पेयजल आपूर्ति के लिए नया नलकूप लगाकर पूरे इलाके में पाइप लाइन डाली जानी चाहिये।

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को चिह्नित कर उसे बदला जाना चाहिए और जरूरत के अनुसार मरम्मत करानी चाहिए।

क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने के साथ ही जहां सड़क नहीं है वहां निर्माण कराना चाहिए।

शिविर लगाकर लोगों के बिल का संशोधन करने और बिल की अदायगी में छूट दी जानी चाहिए।

नलों में पानी नहीं आ रहा फिर भी वाटर टैक्स भेज रहे हैं। टैंकर के सहारे जलापूर्ति की जा रही है जो इतने बड़ी आबादी के लिए नाकाफी है।

पानी की समस्या लंबे समय से है। लोग शिकायत करते हैं फिर भी समाधान नहीं कर रहे। जहां पाइप लाइन नहीं है वहां भी बिल भेजा जा रहा है।

गलत बिल भेजने से लोग परेशान हैं। पानी देते नहीं भारी भरकम बिल भेजकर वसूली का दबाव बनाते हैं। कनेक्शन काटने की धमकी दी जा रही है।

मनमाना बिल भेज कर लोगों को परेशान किया जा रहा है। शिकायत पर अधिकारी सुनते नहीं हैं। लोगों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे लोग परेशान हैं।

पानी की समस्या जटिल रूप ले चुकी है। रमजान के महीने में भी लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ा। ईद पर भी पानी की समुचित व्यवस्था नहीं की गयी।

टैंकर आने से पहले ही लाइन लग जाती है। पानी के लिए मारामारी मची रहती है। टैंकर से जितना पानी मिलता है, उससे लोगों का काम नहीं चल पा रहा है।

नलों में अरसा हो गया पानी आए लेकिन बिल समय पर भेजा जा रहा है। वाटर टैक्स को लेकर लोग परेशान हैं लेकिन अधिकारी सुनने को तैयार नहीं हैं।

यहां पानी की समस्या से सभी परेशान हैं। लोगों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है जिससे लोगों का प्रति माह डेढ़ से दो हजार तक खर्च करना पड़ रहा है।

छह इंच की पाइप के स्थान पर 12 इंच की पाइप डालनी चाहिये। तभी घरों में पानी की सप्लाई पर्याप्त हो सकेगी। पाइप पतली होने से प्रेशर कम रहता है।

सड़कों की हालत बेहद खराब है। कई जगह तो सड़क का अस्तित्व मिट गया है। वाहनों के शाकर बैठ जा रहे हैं। बाइकों के टायर ट्यूब भी खराब हो रहे हैं।

जगह–जगह पाइप लाइन टूटी है। रास्ते पर कीचड़ और पानी भरने से लोग परेशान हैं। बीमारी फैलने का अंदेशा है। शिकायतें अनसुनी कर दी जा रही है।

पानी के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है। टैंकर आने का लोग इंतजार करते रहते हैं लेकिन जरूरत के मुताबिक पानी नही मिलता। परेशानी विकराल है।

बमुश्किल 20 मिनट सप्लाई की जाती है, उसमें भी प्रेशर इतना कम रहता है कि एक बाल्टी भरना भी मुश्किल हो जाता है। पानी खरीद कर पी रहे हैं।

नलकूप लगवा कर पेयजल की समस्या दूर की जा सकती है। लेकिन, ऐसा किया नहीं जा रहा। लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

जहां पाइप लाइन नहीं पहुंची है वहां भी बिल भेज दिया जा रहा है। एक तरफ तो पानी के लिए लोग परेशान हैं वहीं मनमाना बिल तकलीफ बढ़ा रहा है।

एक साल से भी अधिक समय से लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। निगम में शिकायत की गई। जल संस्थान के अधिकारी भी सुनने को तैयार नहीं हैं।

– ईद के दौरान भी लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा। यह समस्या पूरे साल की बन चुकी है। नहाने, कपड़े साफ करना तो दूर गला तर करने का संकट है।

जिकरा माडल स्कूल के पास नलकूप लगाया जाएगा। प्रस्ताव पास हो चुका है। नलकूप लगाए जाने की कर्रवाई जारी है। शीघ्र ही नलकूप लगने से इलाके में पीने के पानी का संकट दूर हो जाएगा।

– कुमार गौरव, महाप्रबंधक जलकल

पानी की समस्या गंभीर है। समाधान के लिए सालभर से प्रयास किया जा रहा है। महापौर से लिखवाकर नए नलकूप के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। एक साल से कागजी कार्रवाई चल रही है। लेकिन अभी तक नलकूप नहीं लग सका है।

– आजाद अहमद, पार्षद करेली

इस बार किसानों से भूसा भी खरीद रहा जिला प्रशासन

मथुरा। जिला प्रशासन सरकार की ओर से घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गैहूं की खरीद कर रहा है। इसके लिए जनपद में 88 क्रय केन्द्र खोले गये हैं। साथ ही अगर कोई किसान भूसा बेचना चाहता है तो जिला प्रशासन भूसा की खरीद भी किसान से सीधे करेगा। इसके लिए ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों की भी मदद ली जा रही है। भूसे की खरीद जनपद में संचालित गौशालाओं के लिए की जा रही है। हालांकि किसानों से अपील की गई है कि वह गोशालाओं के लिए स्वेच्छा से भूसा दान करे। अगर कोई किसान भूसा बेचना चाहता है तो जिला प्रशासन भूसे की खरीद करेगा। इस बार सरकार ने 2425 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। 15 जून तक सरकारी क्रय केन्द्रों पर गैहूं की खरीद होगी। बटाईदार किसान और पंजीकृत ट्रस्ट को भी यह सुविधा दी जा रही है।

डिप्टी आरएमओ संतोष कुमार यादव ने बताया कि 1106 किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है। किसानों की सुविधा के लिए क्रय केंद्र अवकाश दिन के अलावा 12 घंटे खुलेंगे। किसान केंद्रों पर पहुंचकर फसल की बिक्री कर सकता है। सोमवार को सांसद हेमा मालिनी की अध्यक्षता में हुई दिशा की बैठक में जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे अपने अपने क्षेत्रों में आम जनमानस तथा प्रधानों को प्रेरित करें कि वे सभी गेंहू क्रय केन्द्रों पर गेंहू बेचें। जनपद में 88 क्रय केन्द्र संचालित हैं। जनप्रतिनिधियों से अनुरोध करते हुए कहा कि आप अपने अपने क्षेत्र के किसानों से गौशालाओं के लिए भूसा का दान करवायें, जिससे निराश्रित गौवंश को चारा उपलब्ध रहे। यदि कोई किसान भूसा बेचना चाहता है, तो जिला प्रशासन खरीदने के लिए तैयार है। जिलाधिकारी ने जनप्रतिनिधियो से अनुरोध किया कि अपने अपने क्षेत्रों के किसानों को फार्मर्स रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी बनवाने के लिए प्रेरित करें।

संयुक्त हिन्दू मोर्चा ने जिलाधिकारी कार्यालय पर दिया धरना

मुजफ्फरनगर। 'संयुक्त हिंदू मोर्चा के तत्वधान में जनपद की 36 बिरादरीयों के प्रतिनिधि व हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने आज महाराणा सांगा जी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सपा सांसद राम जी लाल सुमन व सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सदस्यता समाप्त करने व उनके खिलाफ करवाही करने की मांग को लेकर जिला अधिकारी मुख्यलय पर धरना दिया' जिसकी अध्यक्षता जैन समाज के अध्यक्ष श्रीपाल जैन व

संचालन शिवसेना जिला मीडिया प्रभारी बसंत कश्यप व चेतन देव विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा की 'अब संसद में ऐसे हिंदू वीरों को भेजने का प्रयास किया जाएगा जो ससद में महापुरुषों के प्रति अमर्यादित टिप्पणी करने वालों को भरी संसद में उन्हीं की भाषा में सबक सिखा सके' इसीलिए हम सभी सनातनी 36 बिरादरीयों को हिंदू विचारधारा से परी पूर्ण व्यक्ति को ही वोट डाले। धरनास्थल पर मुख्य रूप से संयुक्त हिंदू मोर्चा संस्थापक मनोज सैनी डॉक्टर योगेंद्र शर्मा संजय अरोड़ा राधेश्याम विश्वकर्मा लोकेश सैनी बिट्टू सिखेड़ा संजय अरोड़ा पंकज भारद्वाज कमलदीप कृष्ण गोपाल मित्तल सुनील तायल सुनील सिंगल सलभ गुप्ता शलभ गर्ग अमित सुधा जनार्दन विश्वकर्मा अनिरुद्ध श्रॉफ राजेश कश्यप राजेंद्र सिंह पुंडीर सहित सैकड़ो लोग धरना स्थल पर उपस्थित रहे।

अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में बम मिलने की सूचना पर हड़कंप, जंघई स्टेशन पर खंगाली गई पूरी रेल

प्रयागराज। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या कैंट जाने वाली अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में मंगलवार को बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। ट्रेन को प्रयागराज के जंघई स्टेशन पर रोका गया। इसके बाद ट्रेन की जांच की गई।

अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में बम मिलने की सूचना पर हड़कंप मच गया। ट्रेन को प्रयागराज के जंघई रेलवे स्टेशन पर रोका गया। जंघई जंक्शन पर ट्रेन को चेक किया गया। जंघई के रेलवे अधिकारियों ने प्रयागराज से बम निरोधक दस्ता टीम को बुलाया। दो घंटे से अधिक समय से ट्रेन स्टेशन पर खड़ी है। समाचार लिखे जाने तक ट्रेन रवाना नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या कैंट जाने वाली अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में मंगलवार को बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या कैंट जाने वाली 22103 अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन जैसे ही प्रयागराज स्टेशन से आगे निकली किसी

ने जीआरपी कंट्रोल रुम प्रयागराज को फोन पर सूचना दी की अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला बैग में बम लेकर यात्रा कर रही है। महिला इंजन की 10वीं बोगी में है। कंट्रोल रुम प्रयागराज ने यह सूचना लखनऊ कंट्रोल रूम को दी, जिसके बाद आरपीएफ और जीआरपी जंघई को सूचना भेजी गई। ट्रेन के जंघई पहुंचने से पहले जीआरपी प्रभारी प्रमोद कुमार यादव टीम के साथ सतर्क हो गए। ट्रेन 1.15 मिनट पर जैसे ही जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुंची, आरपीएफ–जीआरपी की टीम ने ट्रेन में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर मीरगंज एसओ रमेश कुमार और जंघई चौकी इंचार्ज निखिलेश तिवारी भी टीम के साथ पहुंचे।

पूरी ट्रेन को खंगालना गया, इस दौरान यात्रियों में दहशत न फैले यात्रियों को सूचना नहीं दी गई। यात्रियों से सिर्फ इतना कहा गया कि कहीं किसी को कोई लावारिस बैग मिले सूचना दें, कोई बैग को छुए ना। हालांकि जांच में कुछ नहीं मिला।

दरगाह पर भगवा झंडा फहराने का मामलाः पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, माहौल शांतिपूर्ण, रामनवमी के दिन हुई थी घटना

प्रयागराज। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर रविवार को भगवा झंडा लहराने से उपजे विवाद के बाद दरगाह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। कस्बे में डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान और तीन थानों की पुलिस बल के साथ एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया कैंप कर रहे हैं। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर धार्मिक झंडा फहराने का मुख्य आरोपी मानेंद्र प्रताप सिंह को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। शांतिभंग में चालान करते हुए उसे 14 दिन के लिए जेल भेजा गया है। चौकी इंचार्ज की तहरीर पर चार नामजद समेत 24 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

चौकी प्रभारी रवि कटियार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। इसमें उन्होंने बताया कि रामनवमी जुलूस के दौरान मानेंद्र प्रताप सिंह ने अपने कुछ साथियों के साथ निर्धारित रूट से हटकर अचानक सिकंदरा स्थित मजार की तरफ तेजी से

बढ़कर वहां धार्मिक झंडा फहराया। संप्रदाय विशेष को लेकर नारेबाजी भी की। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर रविवार को भगवा झंडा लहराने से उपजे विवाद के बाद दरगाह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। कस्बे में डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान और तीन थानों की पुलिस बल के साथ एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया कैंप कर रहे हैं। हालांकि, माहौल पूरी तरह से शांत पूर्ण है। मामले को लेकर किसी भी पक्ष से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

बहरिया के सिकंदरा कस्बा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर प्रत्येक रविवार और बुधवार को रौजा मेला लगता है। इसमें हजारों की संख्या में हिंदू–मुस्लिम पहुंचते हैं। 23 मार्च से पुलिस–प्रशासन ने मेले पर रोक लगा रखी थी। इसके बावजूद ताला खुला होने पर कुछ स्थानीय लोग दरगाह पर आते रहे। रविवार को महाराजा सुहेलदेव सम्मान सुरक्षा मंच के कार्यकर्ता मानेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में भगवा झंडा लेकर दरगाह पर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। इसी बीच कुछ कार्यकर्ता मुख्य द्वारा के गुंबद पर चढ़कर झंडा लहाराने लगे। इससे अफरातफरी मच गई, पर किसी ने विरोध नहीं किया। कुछ देर बाद प्रदर्शनकारी वहां से चले गए। सोशल मीडिया पर प्रदर्शन का वीडियो वायरल होने पर एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया, थानाध्यक्ष बहरिया महेश मिश्रा भारी फोर्स संग मौके पर पहुंचे और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। रौजा मेला कमेटी के अध्यक्ष सफदर जावेद ने भी घटना को गलत बताया। कहा, कुछ बाहरी लोग सिकंदरा का महौल खराब करना चाहते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की बात कही है।

मथुरा का ठग लग्जरी गाड़ियां हड़पने में माहिर निकला

मथुरा। यह ठग लग्जरी गाडियां हड़पने में माहिर है। पुलिस इसके कब्जे से अब तक सात लग्जरी कार बरामद कर चुकी है। गैंग की कुंडली पुलिस खंगाल रही है। इसके बाद इसके कई और कारनामे सामने आ सकते हैं। ठगी के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लेता था। साइबर थाना जनपद मथुरा ने इंस्टाग्राम के जरिए किराए पर टैक्सी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले गैंग के शातिर मास्टर माइंड वरुण पुत्र योगेश निवासी कृष्णा नगर गोकुल धाम थाना कोतवाली जनपद मथुरा को गिरफ्तार किया

है। पुलिस यह कार्यवाही ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति की ओर से दर्ज कराई गयी शिकायत क बाद की। शातिर के पुलिस की पकड में आने के बाद चौकाने वाले खुलासे हुए। इसके कब्जे से इनोवा क्रिस्टा, ग्राण्ड विटारा, थार, एसयूवी वैन्यू, अर्टिगा, बुलेरो) व एक मोबाइल, एक पैन ड्राइव बरामद हुई हैं। इसे साइबर सैल की सक्रियता से दबोचा जा सका। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल थाना साइबर क्राइम मथुरा, निरीक्षक प्रमोद कुमार थाना साइबर क्राइम मथुरा, एसआई आशीष मलिक थाना साइबर क्राइम मथुरा, एसआई जितेन्द्र थाना साइबर क्राइम मथुरा, एसआई मोहित वर्मा थाना साइबर क्राइम मथुरा आदि थे। गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया है कि वह इंस्टाग्राम पर पेज बनाकर` किराये पर महंगी गाडियां लगाने तथा हर महीने बतौर किराया मोटी रकम देने का लालच देकर उनकी कार लेकर फरार हो जाता था। वह ऐसे अपराध करने मे माहिर है और पूर्व मे भी मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा जेल भेजा जा चुका है। वरूण ने बताया कि गाडियों को लेकर बिना वाहन मालिक को बताए गाड़ियों को अन्य लोगों के साथ फर्जी एग्रिमेन्ट कर उनसे 4–5 लाख रूपये में गिरवी रख देता था। वाहन स्वामियों से अपने सभी प्रकार सम्पर्क खत्म कर लेता था।

डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने लिया चार्ज

मथुरा। जनपद में तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी के जेल जाने से दो माह से रिक्त चल रहे जिला पंचायत राज अधिकारी के पद पर शासन से नियुक्त होने के बाद मंगलवार को डीपीआरओ का चार्ज मुख्यालय से संबध धनंजय जायसवाल ने ग्रहण किया। यहां आने पर उन्होंने जिलाधिकारी

चंद्रप्रकाश सिंह और सीडीओ मनीष मीना से शिष्टाचार भेंट की। चार्ज ग्रहण करने के बाद अपने कार्यालय में नवागत जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने कहा कि सीडीओ मनीष मीना ने वीडीओ कांफ्रेसिंग के माध्यम से सभी एडीओ पंचायत से वार्ता की। इस दौरान सभी ब्लाकों की पंचायतों में चल रहे विकास कार्य और सरकारी योजनाओं की प्रगति जानी। श्री जायसवाल ने बताया कि सीडीओ के निर्देशों का पाल करते हुए बढ़ती गर्मी और तपिश को देखते हुए गांवों में पेयजल संकट व्याप्त नहीं होने दिया जाएगा।

खनन से परेशान राहगीरों ने की कार्रवाई की मांग

मोरना। मोरना के निकट सेंचुरी क्षेत्र के जंगल मे हो रहे मिट्टी के खनन से ग्रामीण व राहगीर परेशान हैं। मिट्टी दुलाई के दौरान उठ रही धूल से राहगीर व ग्रामीणों को धूल का सामना करना पड़ रहा है वहीं ग्रामीणों ने मिट्टी खनन को अवैध बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के मोरना– शुकतीर्थ मार्ग पर रजवाहे

के निकट दिन रात मिट्टी का खनन कर मिट्टी को शुक्रताल ले जया जा रहा है। खनन से सड़क पर चलने वाले राहगीरों का चलना दुभर हो गया है। जेसीबी मशीन से खेत की मिट्टी की खुदाई कर डंपरो के द्वारा मिट्टी को शुक्रताल मे जारी निर्माण कार्य मे जारी कार्य मे प्रयोग किया जा रहा है।ग्रामीण जोगेन्द्र, मेघेन्द्र अक्षय आदि ने खनन को अवैध बताते हुए कहा की सरकार ने खनन पर रोक लगा रखी है लेकिन दिनदहाड़े खनन की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद संबंधित विभाग सरकार की छवि को पलीता लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उप जिलाधिकारी जानसठ जयेंद्र सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है मौके पर टीम भेज कर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

तीन बच्चों के पिता ने लगाई पत्नी को वापिस लाने की गुहार

भोपा। कस्बा भोकरहेड़ी निवासी तीन बच्चों के पिता ने थाने पहुंचकर देवर से विवाद के बाद अपने मायके गई पत्नी को वापस बुलाने की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी निवासी अनिल कुमार ने भोपा थाने पर पहुंचकर बताया कि कुछ दिन पूर्व

पत्नी और सगे भाई में किसी बात को लेकर नाराजगी हो गई थी जिसके चलते पत्नी के मायके वाले उसे और बच्चों को अपने साथ ले गए थे। अनिल ने बताया कि बीते रविवार की शाम पत्नी के दो भाई मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसके दो पुत्रों को उसके पास छोड़ने आए थे जिस पर उसने उक्त दोनों से अपनी पत्नी के बारे में पूछताछ की तो दोनो ने उसके सिर में हेलमेट मारकर मारपीट करनी शुरू कर दी। आसपास के लोगों के आ जाने पर आरोपी अपनी मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर उसे जान से मारने और पत्नी द्वारा झूठी शिकायत कर जेल भिजवाने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित ने मंगलवार को तीनों बच्चों के साथ थाने पहुंचकर पत्नी को वापस दिलाने की मांग की है।

भारतीय किसान यूनियन तोमर 15 अप्रैल को करेगा खतौली तहसील परिसर में पंचायत

मंसूरपुर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) कि एक सभा गांव पूरा मे नीशू त्यागी के आवास पर हुई सभा मे मौजूद किसानो ने बताया कि खतौली तहसील मे किसानो का शौषण किया जा रहा है और खतौली ै़क्ड द्वारा किसानों को पूरी तरह से अनदेखा किया जा रहा है और पूरा गांव मे नाले का जो निर्माण है वो भी अंधूरा पड़ा हुआ है जिसके चलते गन्दा पानी मन्दिर मे जा रहा जिसके चलते गांव वासियों कि आस्था पर ठेस पंहुच रही है सभी समस्याओं को सुनकर भारतीय किसान यूनियन तोमर के राष्ट्रीय

अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने भी भारी नरायजगी जताते हुए उन्होने कहा है कि 15 अप्रैल को संगठन खतौली तहसील मे पंचायत करेगा ओर पूरे जनपद से किसानों पंचायत में पहुंच कर किसानों की समस्याओं को उठाएगा जिसकी जिम्मेदारी खुद ै़क्ड खतौली कि होगी ।इस मौके पर मुख्य रूप से कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष महबूब राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी अजय त्यागी हनी चौधरी अमित पूर्व प्रमुख तनसीर चौधरी अमित कुमार गयूर चौधरी जय भगवान त्यागी महेन्दर त्यागी अशोक त्यागी प्रदीप त्यागी रामेशवर त्यागी कालू राम त्यागी बीनू त्यागी विनीत त्यागी विकास त्यागी हर्श त्यागी आशीष त्यागी अकित त्यागी प्रवेश त्यागी उज्जवल त्यागी मनोज त्यागी अशोक त्यागी राकेश त्यागी मौजूद रहै।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पम्बन ब्रिज के चालू होने पर निम्नलिखित मेल/एक्सप्रेस एवं पैसेंजर रेलगाड़ियों को रामेश्वरम स्टेशन से संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:

रामेश्वरम स्टेशन से रेलगाड़ियों का ओरिजिनेशन/टर्मिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	समय		प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आग.	प्र.	
22613	रामेश्वरम-अयोध्या कैंट श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	--	23:55	13.04.2025
22614	अयोध्या कैंट-रामेश्वरम श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	02:55	--	09.04.2025
22535	रामेश्वरम-बनारस एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	--	23:55	09.04.2025
22536	बनारस-रामेश्वरम एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	22:30	--	06.04.2025

रामेश्वरम स्टेशन से रेलगाड़ियों के रिस्टोरेशन के कारण रेलगाड़ियों का मंडपम स्टेशन पर ठहराव का समय निम्नानुसार होगा-

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	मंडपम स्टेशन पर ठहराव समय	
22613	रामेश्वरम-अयोध्या कैंट श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	00:29	00:30
22614	अयोध्या कैंट-रामेश्वरम श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	02:10	02:11
22535	रामेश्वरम-बनारस एक्स. (साप्ताहिक)	00:29	00:30
22536	बनारस-रामेश्वरम एक्स. (साप्ताहिक)	22:10	22:11

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 623/25 FA

1000 दिन बच्चे के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण

–गर्भावस्था से जन्म के दो साल बाद तक विशेष देखभाल की जरूरत
–राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा, घर–घर दस्तक देंगी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने कलेक्ट्रेट परिसर से राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक आयोजित होगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा विशाल रैली निकाली गई जिसने पोषण के संबंध में जागरूक किया गया। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत मोटे अनाज, पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि के लिए जन जागरूक किया जाएगा। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में जीवन के प्रथम 1000 दिवस गर्भावस्था से लेकर शिशु के जन्म के प्रथम 2 वर्ष में विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किए जाने, लाभार्थी का लोकप्रियकरण, कुपोषण प्रबंधन

के लिये सीएमएएम मॉड्यूल क्रियान्वयन, बच्चों में मोटापे की रोकथाम के लिये स्वस्थ्य जीवनशैली, पोषण एनीमिया, एनीमिया तथा पर्यावरण संरक्षण (मिशन लाईफ) पर जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए की घर घर जाकर लोगो को मोटे अनाज के प्रति जागरूक करें, उन्हें मोटे अनाज के फायदे बताए और सेवन करने के लिए प्रोत्साहित करे। मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। मोटा अनाज कुपोषण की लड़ाई में एक अहम भूमिका निभाता है, हम सभी की थाली में मोटा अनाज जरूर होना चाहिए। इस दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी अशोक सिंह, सुपरवाइज़र वन्दना सक्सेना, निर्मल शर्मा, कमलेश कुमारी एवं आईसीडीएस विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रतिदिन कुपोषण से संबंधित विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को बच्चों में व्याप्त कुपोषण जैसी महत्वपूर्ण समस्या के कारणों एवं दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। आईसीडीएस विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग , नगर पंचायत, नगर निगम, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, आयुष विभाग, आपूर्ति विभाग, उद्यान विभाग आदि द्वारा भी जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। गतिविधियों के आयोजन के साथ प्रतिदिन उनकी फीडिंग भी पोषण अभियान के पोर्टल पर की जाएगी।

साहित्य उपवन रचनाकार के तत्वावधान में अंबेडकर जयंती काव्य समागम धूम धाम से सम्पन्न

एटा। साहित्य उपवन रचनाकार के तत्वावधान में अंबेडकर जयंती काव्य समागम बहुत ही धूम धाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आगाज कवि आर डी गौतम विनम्र जी द्वारा बुद्ध वंदना से हुआ। उपवन की स्वर कोकिला अंशी कमल ने मधुरिम स्वर में स्वागत गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दियाघ्। मंच की शोभा बढ़ाने वाले साहित्य के कघ्ई श्रेष्ठ हस्ताक्षर जिनमें कार्यक्रम अध्यक्षा डॉ. सुनीता सक्सेना जी, मुख्य अतिथि कवयित्री शोभना श्याम जी, विशिष्ट अतिथि आ. मदन लाल राज जी, सारस्वत अतिथि डॉ. अशोक मधुप जी, उपवन के संरक्षक डॉ. राकेश सक्सेना जी, उपवन के मार्गदर्शक डॉ. अशोक कुमार मयंक जी, एवं सिद्धार्थ बुद्ध विहार के अध्यक्ष / भूतपूर्व विधायक श्री बलजोर सिंह जी रहे। यह विशुद्ध काव्य गोष्ठी बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी इसलिए सभी रचनाकारों ने अपने काव्य पाठ में बाबा साहेब के संघर्ष को केंद्र में रखकर काव्य पाठ किया। इस भव्य कार्यक्रम के साक्षी बहुत सारे साहित्य प्रेमी बने। शिरकत करने वाले सभी रचनाकारों ने एक से बढ़कर एक काव्य पाठ करके श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम का संचालन बहुत ही संक्षिप्त और सधा हुआ सुधा बसोर सौम्या व आर डी गौतम विनम्र ने समवेत रूप से किया।

साहित्य उपवन रचनाकार की व्यवस्थापिका कार्यकारी अध्यक्षा संगीता मिश्रा ने पहले तो तैयारी में जान झोक दी और आज कार्यक्रम की फोटो और वीडियो फेसबुक पटल पर प्रेषित करके सैकड़ों साहित्य प्रेमियों को घर बैठकर ही इस अद्भुत कार्यक्रम का आनंद दिलवाया। इस अवसर पर उपवन के युवा कवि डॉ. कृष्ण कांत मिश्र जी की पुस्तक शदिव्यांजंलिश का विमोचन उपवन के संरक्षक डॉ. राकेश सक्सेना जी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। मंच के अध्यक्ष रोहित रोज ने हर प्रतिभागी का उत्साहवर्धन और आभार प्रकट किया। उपवन के अन्य पदाधिकारी जो कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाये वे सभी फेसबुक पर कार्यक्रम को देखकर प्रफुल्लित होते रहे। कार्यक्रम को अपनी गरिमामई उपस्थिति व मनभावन प्रस्तुति से सफल बनाने वाले मुख्य रचनाकार हैं –

डॉ. राकेश सक्सेना जी, डॉ. अशोक कुमार मयंक जी, डॉ. सुनीता सक्सेना जी, दिनेश आनंद जी, दिनेश कुमार जी, रजनीश त्यागी राज जी, स्नेहलता भारती जी, निवेदिता शर्मा जी, शोभना श्याम जी, डॉ. अमृता अमृत जी, कंचन वार्ष्णेय कशिश जी, मदन लाल राज जी, ऊषा शर्मा जी, कृष्णकांत मिश्र जी, अंशी कमल जी(उत्तराखंड), कमला उनियाल जी (उत्तराखंड), संगीता बहुगुणा संगी जी (उत्तराखंड), डॉ. नरेश सागर जी (हापुड़) सोनिया सरीन साहिबा जी, सुधा बसोर सौम्या जी, आर. डी. गौतम विनम्र जी, श्री सुरेंद्र खेड़ा जी (हापुड़), एडवोकेट पवन मल्होत्रा जी (हरियाणा), अलका जैन आनंदी जी, जय बहादुर सिंह राणा जी, रजनीकांत जी, डॉ. अशोक मधुप जी (नोएडा), जितेंद्र जीत जी (नोएडा), प्रेम सागर प्रेम जी (नोएडा) महेंद्र चतुर्वेदी जी एवं डॉ. रोहित रोज आदि रहे। कार्यक्रम सादगी सभ्यता और शालीनता के परिसर में सम्पन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम को कालोनीवासियों ने बड़े मन से सुना और सराहा। शिरकत करने वाले सभी कवि /कवयित्रियों को अंगवस्त्र एवं बैज देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मध्य में शीतल पानी, कोल्ड ड्रिंक एवं दिलकश चाय परोसी गघ्ई। कार्यक्रम का अंत स्नेह युक्त स्वादिष्ट भोजन के साथ सम्पन्न हुआ।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में अभिनंदन समारोह आयोजित

प्रयागराज सआज सी एम पी डिग्री कॉलेज के हीरक जयंती द्वार एवं जंतु विज्ञान विभाग की नव निर्मित बिल्डिंग का चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह पूर्व अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला एवं चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला के द्वारा लोकार्पण किया गया ।

इस अवसर पर कॉलेज द्वारा कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह का अभिनन्दन समारोह भी आयोजित किया गया। चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह और चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह का स्वागत पुष्प गुच्छ और शाल देकर किया गया। के पी ट्रस्ट के महामंत्री सुनील दत्त कौटिल्य का भी स्वागत पुष्प गुच्छ और शाल देकर किया गया। स्वागत भाषण प्रो. सरोज सिंह ने दिया और इस कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा सबके सामने रखी। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में कॉलेज के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने विगत वर्षों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया । इसके अलावा कॉलेज में प्रस्तावित बिल्डिंग्स और प्रोजेक्ट्स की जानकारी साझा की। सी एम पी डिग्री कॉलेज में चल रहे विभिन्न वोकेशनल कोर्स की जानकारी दी और बताया कि कॉलेज इस

तरह के भिन्न भिन्न कोर्स चलाकर छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है ।

हीरक जयंती वर्ष के अंतर्गत साल भर आयोजित कार्यक्रम सेमिनार, कवि सम्मेलन, नाटक, लिविंग लीजेंड्स, मेडल वितरण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने कॉलेज के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को बताया और उनसे निपटने के लिए अपनी रूपरेखा स्पष्ट की।

इस अवसर पर जंतु विज्ञान विभाग के अवकाश प्राप्त शिक्षक प्रो प्रेमचंद श्रीवास्तव की स्मृति में विज्ञान लेखन हेतु एक प्रतियोगिता शुरू करने की बात कही और इसके लिए एक लाख का अनुदान भी कॉलेज को प्रदान किया ।

विशिष्ट अतिथि चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने कॉलेज के बनने के इतिहास को बताया और कॉलेज से अपने लगाव को बताया साथ ही साथ कॉलेज को आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए पूर्ण सहयोग देने की बात कही। मुख्य अतिथि चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला ने अपने वक्तव्य में कॉलेज की प्रगति को देखकर हर्ष व्यक्त किया और भविष्य में कॉलेज के विकास और बेहतरी के लिए आवश्यक कार्य समय पर संपादित करने और भरपूर सहयोग की बात कही। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. सरिता श्रीवास्तव ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो मनीष सिन्हा ने किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य प्रो नीता सिन्हा, प्रो, सरोज सिंह, प्रो भावना चौहान, प्रो अर्चना खरे, प्रो सत्यंवदा , प्रो अर्चना, प्रो दीनानाथ के अलावा अन्य विभागों के सदस्य एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी मौजूद थे।

दिशा की बैठक में जनपद के विकास की दिशा पर हुई चर्चा

मथुरा। सांसद हेमा मालिनी की अध्यक्षता जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक हुई संपन्न। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसद ने कहा कि जनपद की दशा एवं दिशा को सुधारने के लिए यह बैठक आयोजित की जाती है। जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्य कराये जा रहे हैं, जिसकी समीक्षा के लिए यह बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने नगर आयुक्त शशांक चौधरी को निर्देश दिये कि परिक्रमा मार्ग पर स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया जाये तथा साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। सांसद ने अडीग से मुखराई सड़क मार्ग के कार्यों को गुणवत्ता से कराने के निर्देश दिये। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह को निर्देश दिये कि श्रम विभाग को लेवर कैम्प लगाने के निर्देश दिये। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत गांवों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये। कलेक्ट्रेट सभागार बैठक में महापौर विनोद कुमार अग्रवाल, विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, विधायक मांट राजेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह, विधान परिषद सदस्य योगेश नौहवार, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, सांसद प्रतिनिधि जर्नादन शर्मा, जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह, नगर आयुक्त शशांक चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, ज्वांइट मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर निशा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दूबे, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानन्द पाण्डेय, परियोजना निदेशक अरूण कुमार उपाध्याय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

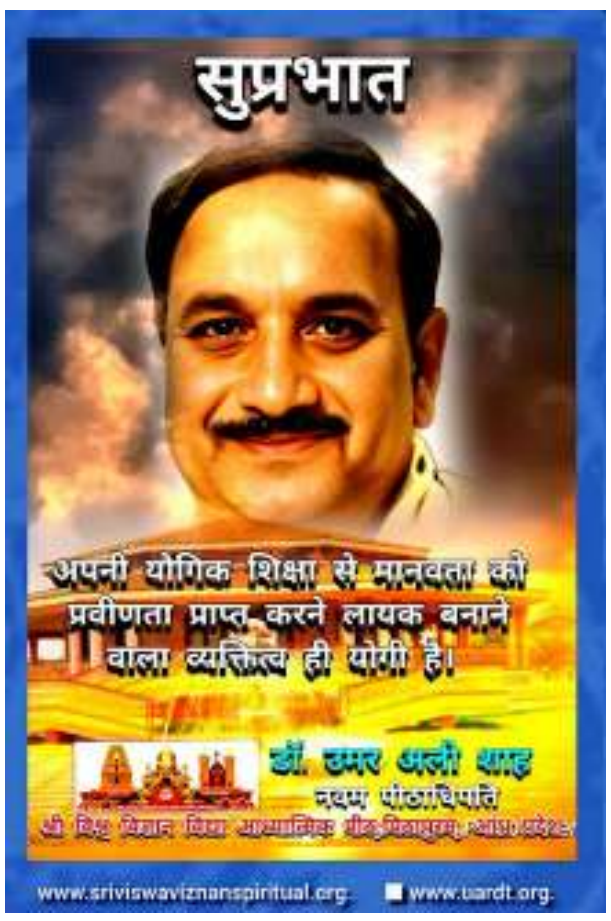

देख टिकोरा आम का

(कुण्डलिया)

खुशहाली ले आ गए, आम,आम बन आज।
देख टिकोरा आम का, हर्षित हुआ समाज।
हर्षित हुआ समाज, मिला रोटी को साथी।
कहने लगा गरीब,लौटकर आयी थाथी।
सुनकर बात प्रदीप, कहें यह बात निराली।
रोटी–चटनी साथ,मिले लाए खुशहाली।।

चटनी– रोटी साथ में,हो अरहर की दाल।
जिसने भी खाया इसे,हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल,छाछ की बात निराली।
मस्त हुए मजदूर, देख ऐसी खुशहाली।
इनको देख प्रदीप, कहें प्यारी है सजनी।
खटती है दिन–रात, खिलाती रोटी–चटनी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आधी रात दबंगई दिखाने वालों पर हुई कार्रवाई

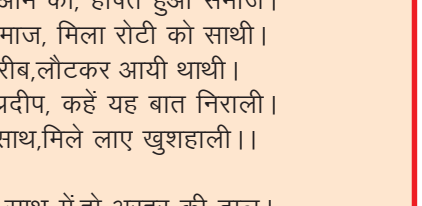

भोपा। बीते शनिवार की मध्य रात्रि भोपा स्थित बिजलीघर के पास कार सवारो द्वारा दूसरी कार को रोकने का सामूहिक प्रयास व बीच सड़क दबंगई का प्रदर्शन करने वाले आरोपियों को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया। भोपा थाना से कुछ ही दूरी पर बिजलीघर के सामने की घटना का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक कार से कुछ युवक नीचे उतर

कर सामने से आ रही कार को रोकने का प्रयास करते हैं। यह देख कार चालक अपनी कार को बैक गियर मे तेजी से पीछे ले जाता है। संदिग्ध युवकों की गाली गलौज शोर सुनकर आये यह ग्रामीण सब देखकर भयभीत हो गये। रविवार को यह वीडियो वायरल हुआ तो क्षेत्र मे सनसनी फैल गयी।पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर घटना की जांच शुरू कर दी।आरोपियों की तलाश मे जुटी पुलिस ने मंगलवार को पुलिस ने तीन युवकों को मोरना से उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह आपस मे गाली गलौज कर रहे थे।गिरफ्तार आरोपियों की शिनाख्त विभु शर्मा पुत्र संजीव शर्मा, शिवम कुमार पुत्र शिव कुमार व हर्ष भारद्वावाज पुत्र सुनील शर्मा निवासी शास्त्री नगर कॉलोनी थाना मेडिकल जनपद मेरठ के रूप मे हुई है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत है : –

गाड़ी संख्या 09195/09196 वडोदरा जं.-मऊ जं.-वडोदरा जं. सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या 09195 वडोदरा जं.-मऊ जं.			गाड़ी संख्या 09196 मऊ जं.-वडोदरा जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	19:00	वडोदरा जं.	00:45	–
06:40	06:50	ईदगाह आगरा जं.	10:10	10:15
08:05	08:10	टूण्डला जं.	09:20	09:25
11:32	11:42	कानपुर सेन्ट्रल	07:45	07:50
13:15	13:20	फतेहपुर	06:05	06:10
15:20	15:30	प्रयागराज जं.	03:40	03:50
20:45	---	मऊ जंक्शन	---	23:45

• **वडोदरा जंक्शन से :** गाड़ी संख्या 09195 दिनांक 07, 14, 21, 28 अप्रैल 2025, 05,12,19,26 मई 2025 एवं 02,09,16,23,30 जून 2025 (प्रत्येक सोमवार) • **मऊ जंक्शन से :** गाड़ी संख्या 09196 दिनांक 08, 15, 22, 29 अप्रैल 2025, 06, 13, 20, 27 मई 2025, 03, 10, 17, 24 जून 2025 एवं 01 जुलाई 2025 (प्रत्येक मंगलवार) • **गाड़ी संरचना :** वातानुकूलित प्रथम श्रेणी - 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी - 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी - 06, स्लीपर-06, सामान्य श्रेणी-04,

गाड़ी संख्या 09029/09030 बान्द्रा टर्मिनस-बनारस-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या 09029 बान्द्रा टर्मि.-बनारस			गाड़ी संख्या 09030 बनारस-बान्द्रा टर्मि.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	04:30	बान्द्रा टर्मिनस	12:15	–
02:16	02:18	मानिकपुर जं.	13:13	13:15
03:25	03:30	प्रयागराज छिवकी जं.	11:45	11:50
04:48	04:50	मिर्जापुर	10:20	10:22
07:00	---	बनारस	–	09:00

• **बान्द्रा टर्मिनस से :** गाड़ी संख्या 09029 दिनांक 10,17,24 अप्रैल 2025, 01,08,18,22,29 मई 2025 एवं 05,12,19,26 जून 2025 (प्रत्येक गुरुवार) • **बनारस से :** गाड़ी संख्या 09030 दिनांक 11,18,25 अप्रैल 2025, 02,09,19,23,30 मई 2025 एवं 06,13,20,27 जून 2025 (प्रत्येक शुक्रवार) • **गाड़ी संरचना :** सामान्य श्रेणी - 20

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 629/25 (C)

सम्पादकीय.....

ट्रम्प-मस्क के खिलाफ अमेरिका

जिस डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार जीतकर आने के बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में न्यौता पाने के लिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्सुक थे और तत्काल बाद बगैर कोई खास अवसर के अमेरिका पहुंचकर उनसे मिल आये थे, उन्हीं ट्रम्प महाशय के खिलाफ अमेरिका की जनता सड़कों पर है। ये वे ही लोग हैं जिन्होंने उन्हें दूसरी बार दुनिया के सबसे ताकतवर देश की गद्दी सौंपी थी तथा इन्हीं के भरोसे ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिये वहां के संविधान में संशोधन तक लाने की तैयारी कर रहे हैं। वहां के शनिवार (5 अप्रैल) को उनके खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन किया गया जो हाल के वर्षों का उस देश का सबसे बड़ा जन प्रदर्शन रहा। अमेरिकी नागरिक मानने लगे हैं कि उन्होंने ट्रम्प को चुनकर बड़ी गलती की है। मुख्य वजह है ट्रम्प की नीतियां जिनके बारे में वे कह रहे हैं कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों को खो रहा है। उनकी टैरिफ नीति के साथ सामाजिक सुरक्षा पर आसन्न खतरों को लेकर वे बेहद गुस्से में हैं। दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क भी जनता के निशाने पर आ गये हैं जिन्होंने ट्रम्प के प्रचार अभियान को तो सम्हाला ही था, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद एक तरह से वे प्रशासन में खासमखास हैं। ट्रम्प ने उन्हें डीओजीई यानी सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बना दिया है जो प्रशासन कर्मचारियों की बड़ी संख्या में कटौती करने का इरादा जाहिर कर चुके हैं। यह अलग बात है कि उन्होंने हाल ही में यह पद जल्दी छोड़ देने का ऐलान किया है। तो भी, ट्रम्प की नीतियों पर मस्क का कहा बहुत चलता है। वे पद छोड़ भी दें तो भी उनका प्रभाव बना रहेगा। इस विशाल देश के सभी 50 राज्यों में 1400 से ज्यादा स्थानों पर ट्रम्प और एलन मस्क की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन हुए जिनमें हजारों की संख्या में अमेरिकी नागरिक श्हैंड्स ऑफश (हमारे अधिकारों से दूर रहो) की तख्तियां लिये हुए थे जिन पर ट्रम्प व मस्क की तस्वीरें थीं। विरोध प्रदर्शनों में 150 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। बताया गया है कि 6 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शनकारियों के रूप में अपने नाम पंजीकृत कराये थे। इनमें सामान्य नागरिकों के अलावा मानवाधिकार व श्रम संगठन के सदस्य, समलैंगिकों के अधिकारों के समर्थक, राजनीतिक कार्यकर्ता आदि शामिल थे। यह प्रदर्शन पूर्णतरू शांतिपूर्ण रहा। किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी को मिली सफलता के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपति का पद सम्हाले अभी तीन माह भी नहीं हुए हैं, पर उनके कामकाज के तरीकों ने पूरे अमेरिका को नाराज कर दिया है। उनके कामों का प्रतिकूल असर न सिर्फ देश के भीतर वरन विश्व भर में पड़ने की सम्भावना है। खासकर उनकी टैरिफ नीति से, जिसे ट्रम्प द्वारा दुनिया भर के खिलाफ छेड़ा गया श्टैरिफ वॉरश कहा जा रहा है, अमेरिका को बड़ा नुकसान होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।अमेरिका में आप्रवासियों को जिस तरह से बाहर निकाला गया उससे भी लोगों में नाराजगी है क्योंकि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में भेदभाव की नीति अपना रहे हैं। उन्होंने अपने देश में क्रूर पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा देने की जो नीति अपनाई है वह उनके अपने लोगों को इसलिये नहीं भा रही है क्योंकि उससे बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां जा सकती हैं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बजट में कटौतियां सम्भव हैं। इससे उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आध ो दशक से भी ज्यादा की अवधि में दुनिया भर में कई अनावश्यक निर्मित सैन्य मोर्चों पर, विशेषकर शीत युद्ध के दौरान अपने हजारों नागरिकों के प्राण गंवाने वाले अमेरिकियों को ट्रम्प की भड़काऊ व उकसाने वाली नीतियां रास नहीं आ रही हैं। कभी वे किसी देश पर जमकर बमबारी करने की धमकी देते हैं तो कभी अपने पड़ोसी देश मैक्सिको के साथ लगने वाली सीमा पर दीवार बनाने तथा उसी से खर्च वसूलने की बात करते हैं। कनाडा को अपने देश में मिलाने की उनकी इच्छा ने न केवल पड़ोसी देश को नाराज कर दिया है बल्कि उनके अपने नागरिक इसका विरोध कर रहे हैं किसी और देश के राष्ट्राध्यक्ष द्वारा ऐसा करने की कोशिश या इच्छा जाहिर करने पर वहां के लोग उत्साहित हो सकते हैं परन्तु अमेरिकी नागरिकों का दृष्टिकोण अमूमन वैश्विक होता है जो सभी देशों की सम्प्रभुता में विश्वास और नागरिक अधिकारों का सम्मान करना बखूबी जानते हैं। उदाहरणार्थ, अमेरिकी सरकार चाहे इजरायल के साथ खड़ी हो परन्तु वहां के नागरिक सामान्यतः फिलीस्तीन में हो रही तबाही को लेकर व्यथित हैं। आप्रवासियों को हथकड़ी-बेड़ियों में उनके देश लौटाना उन्हें नाखुश कर रहा है। हाल ही में ट्रम्प ने ऐलान किया है कि देश में नागरिकों की पहचान केवल दो ही लिंग से होगी- महिला व पुरुष। उन्होंने साफ किया कि थर्ड जेंडर को मान्यता नहीं दी जायेगी जो कि एलजीबीटीक्यू (समलैंगिकों) की आजादी के खिलाफ तो है ही, आधुनिक मान्यताओं के भी प्रतिकूल है। यह विचार अमेरिका जैसे आधुनिक सोच वाले देश को मध्य युग में जा खड़ा करता है। अमेरिकी व भारतीय नागरिकों के व्यवहार में अंतर साफ दिखता है। यहां पूरा देश मोदी के सभी तरह के गैर-लोकतांत्रिक फैसलों को स्वीकार कर रहा है। जो थोड़े से लोग उनके जनविरोधी निर्णयों के खिलाफ कुछ कहें तो उन्हें देशद्रोही कहने और जेलों में डालने में सरकार देर नहीं करती। ऐसा प्रदर्शन भारत में अभी अकल्पनीय है। ऐसी सजगता और नागरिक बोध यदि भारत के लोगों में होता तो मोदी न तो तीसरी बार प्रध ानमंत्री बनते, न ही देश को बर्बाद करते हुए अगले सौ वर्षों तक भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बने रहने का दावा कर सकते।

संसद में वक्फ बिल के पारित होने से देश में राजनीतिक हलचल

डॉ. ज्ञान पाठक

हमारे जैसे लाखों भारतीय मुसलमानों को अटूट विश्वास था कि आप पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के ध्वजवाहक हैं। लेकिन अब यह विश्वास टूट गया है।

भारत की संसद के दोनों सदनों में वक्फ बिल के पारित होने से तुरंत ही राजनीतिक हलचल मच गयी, जिसका असर पूरे भारत में कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक महसूस किया गया। दोनों ही पक्षों के राजनीतिक दल-विपक्षी इंडिया ब्लॉक और भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र की सत्तारूढ़ एनडीए- इससेअधिकतम राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दोनों ही पक्षों को उभरने वाली नई चुनौतियों के लिए खुद को फिर से तैयार करना होगा। सबसे पहले बिहार में जेडी(यू) को नुकसान उठाना पड़ा है, जो राज्य में भाजपा की एनडीए सहयोगी है, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। जेडी(यू) के दो वरिष्ठ नेताओं ने अपने इस्तीफे की घोषणा की है, और मुस्लिम समुदायों में पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पार्टी छोड़ सकते हैं, क्योंकि उनका पार्टी पर से भरोसा उठ गया है। जेडी(यू) ने संसद में वक्फ विधेयक का समर्थन किया था। जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता मोहम्मद कासिम अंसारी और पार्टी के अल्पसंख्यक विंग के राज्य सचिव मोहम्मद शाह नवाज मलिक ने जेडी(यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार को अलग-अलग पत्र लिखकर कहा है कि मुसलमानों का पार्टी पर से भरोसा उठ गया है, जिसे वे पहले धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानते थे। शाह नवाज मलिक ने लिखा, हमारे जैसे लाखों भारतीय मुसलमानों को अटूट विश्वास था कि आप पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के ध्वजवाहक हैं। लेकिन अब यह विश्वास टूट गया है। वक्फ विधेयक संशोधन अधिनियम 2024 के बारे में जेडीयू के रुख से हमारे जैसे लाखों समर्पित भारतीय मुसलमान और कार्यकर्ता गहरे सदमे में हैं। मोहम्मद कासिम अंसारी ने लिखा कि वक्फ बिल भारतीय मुसलमानों के खिलाफ है और इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि श्यह बिल संविधान के कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस बिल के जरिये भारतीय मुसलमानों को अपमानित किया जा रहा है। न तो आपको और न ही आपकी पार्टी को इसका अहसास है। मुझे अफसोस है कि मैंने अपनी जिंदगी के कई साल पार्टी को दे दिये। हालांकि, जेडी(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने यह कहकर इस्तीफों को कमतर आंकने की कोशिश की कि वे पार्टी के आधिकारिक ढांचे में नहीं हैं, लेकिन कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि पार्टी के अल्पसंख्यक समर्थन आधार के जेडी(यू) को छोड़ने की सबसे अधिक संभावना है। मामला यहीं नहीं रुकता, क्योंकि एनडीए के एक अन्य सहयोगी चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी (रामविलास) भी अपना अल्पसंख्यक समर्थन खो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो एनडीए को बिहार में काफी नुकसान होगा। बिहार में आरजेडी और कांग्रेस को फायदा हो सकता है, वे वर्तमान में बिहार में महागठबंधन का हिस्सा हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक है। एलजेपी (रामविलास) और जेडी(यू) के अल्पसंख्यक आधार का अलग होना राज्य में महागठबंधन सहयोगियों की ही राजनीतिक ताकत बढ़ायेगा। बिहार में जातिगत राजनीति और ओबीसी आरक्षण के लिए इंडिया ब्लॉक की मांग का भी अतिक्ति प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि उनका मानना है कि नीतीश कुमार ने खुद को भाजपा के हाथों बेच दिया है, जो राज्य में जाति जनगणना का लगातार विरोध करती रही है, हालांकि यह नीतीश कुमार के मुख्यमंत्रित्व काल में किया गया था, जिसके बाद वे राजद को छोड़कर भाजपा के साथ मिल गये। आंध्र प्रदेश में एनडीए के अन्य महत्वपूर्ण सहयोगी टीडीपी और जेएसपी ने पहले ही अपने खिलाफ दबाव महसूस करना शुरू कर दिया है। दोनों ने वक्फ बिल का समर्थन किया है, जबकि मुख्य विपक्षी राजनीतिक दल वाईएसआरसीपी ने इस बिल की निंदा करते हुए कहा है कि- यह संवैधानिक गारंटी और अल्पसंख्यक अधिकारों का उल्लंघन करता है। टीडीपी और जेएसपी दोनों को इस कारण अपने अल्पसंख्यक समर्थन आधार को खोने का खतरा है। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन वक्फ बिल के सबसे कड़े आलोचकों में से एक हैं। वे 3 अप्रैल को तमिलनाडु विधानसभा में बिल के पारित होने के खिलाफ काली पट्टी बांधकर आये थे। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि उनकी सरकार इस बिल को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकार अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय को निशाना बना रही है। तमिलनाडु में भी अगले साल चुनाव होने हैं। जबकि पूरा इंडिया ब्लॉक वक्फ बिल के विरोध में था, भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2013 में यूपीए सरकार द्वारा लाया गया संशोधन श्चरमश और एक और तुष्टिकरण अभ्यास था। भारत के प्रधान मंत्री ने वक्फ बिल के पारित होने को एक महत्वपूर्ण क्षण कहा, और दावा किया कि इससे हाशिए पर पड़े मुसलमानों को मदद मिलेगी। इस प्रकार भाजपा ने न केवल भाजपा के पक्ष में अधिक हिंदू ध्रुवीकरण के लिए अपनी हिंदुत्व राजनीति को आगे बढ़ाया, बल्कि मुस्लिम समुदाय को विभाजित करके कुछ लाभ प्राप्त करने की कोशिश भी की, जिसमें जोर दिया गया कि नया बिल हाशिए पर पड़े मुसलमानों के लाभ के लिए है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वक्फ बिल पारित करने के लिए सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का रुख स्पष्ट है-यह विधेयक संविधान पर एक बेशर्म हमला है।

टैरिफ युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं होगा अधिक प्रभाव

प्रह्लाद सबनानी

दिनांक 2 अप्रैल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है अथवा बिलकुल नहीं लगाया जाता है। जिससे, अमेरिका से इन देशों को निर्यात कम हो रहे हैं एवं इन देशों से अमेरिका में आयात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस प्रकार, अमेरिका का व्यापार घाटा असहनीय स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ साथ, अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होकर अन्य देशों में स्थापित हो गई हैं और इससे अमेरिका में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। अब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका को पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने के उद्देश्य से अमेरिका को पुनः महान बनाने का आह्वान किया है और इसी संदर्भ में विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया है ताकि अमेरिका में आयातित उत्पाद महंगे हों और अमेरिकी नागरिक अमेरिका में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की ओर प्रेरित हों। वर्तमान में बढ़े हुए टैरिफ का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका में महंगे उत्पाद खरीदने होंगे, क्योंकि नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना में तो वक्त लग सकता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन तुरंत तो बढ़ाया नहीं जा सकता अतः जब तक नई विनिर्माण इकाईयों की अमेरिका में स्थापना हो एवं इन विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन शुरू हो तब तक अमेरिकी नागरिकों को महंगे उत्पाद खरीदने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इससे अमेरिका में एक बार पुनः मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं ब्याज दरों के कम होने के चक्र में भी देरी होगी, बहुत सम्भव है कि मुद्रा स्फीति को कम करने की दृष्टि से एक बार पुनः कहीं ब्याज दरों के बढ़ने का चक्र प्रारम्भ न हो जाए। लम्बे समय में जब अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो जाएगी एवं इन इकाईयों में उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा तब जाकर कहीं मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही, डॉलर पर दबाव पड़ना शुरू भी हो चुका है एवं अमेरिकी डॉलर इंडेक्स घटकर 102 के स्तर पर नीचे आ गया है जो कुछ समय पूर्व तक लगभग 106 के स्तर पर आ गया था। इसी प्रकार अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों की 10 वर्ष की बांड यील्ड पर भी दबाव दिखाई दे रही है और यह घटकर 4.08 के स्तर पर नीचे आ गई है, यह कुछ समय पूर्व तक 4.70 के स्तर से भी ऊपर निकल गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़नी प्रारम्भ हो गई है एवं यह पिछले चार माह के उच्चतम स्तर, लगभग 85 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर, पर आ गई है। ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी लिए गए निर्णयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर लम्बी अवधि में तो हो सकता है परंतु छोटी अवधि में तो निश्चित ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित करते हुए दिखाई दे रहा है। अमेरिकी पूंजी बाजार (शेयर बाजार) केवल दो दिनों में ही लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे गिर गया है और अमेरिकी निवेशकों को लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। इतनी भारी गिरावट तो वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान ही देखने को मिली थी। यदि यही स्थिति बनी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था कहीं मंदी की चपेट में न आ जाय। यदि ऐसा होता है तो पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। अतः ट्रम्प प्रशासन का टैरिफ सम्बंधी उक्त निर्णय अति जोखिम भरा ही कहा जाएगा। जब पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी तो भारत की अर्थव्यवस्था पर भी कुछ तो विपरीत असर होगा ही। इस संदर्भ में किए गए विश्लेषण से यह तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि बहुत सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए 26 प्रतिशत के टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव नहीं हो। क्योंकि, एक तो भारत से अमेरिका को निर्यात बहुत अधिक नहीं है। यह भारतीय सकल घरेलू उत्पाद का मात्र लगभग 3-4 प्रतिशत ही है। वैसे भी भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात पर निर्भर नहीं है एवं यह विभिन्न उत्पादों की आंतिरक मांग पर अधिक निर्भर है। भारत से सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16 प्रतिशत (वस्तुएं एवं सेवा क्षेत्र मिलाकर) ही निर्यात किया जाता है। दूसरे, भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने कुछ उत्पादों को उक्त टैरिफ व्यवस्था से फिलहाल मुक्त रखा गया है, जैसे फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, स्टील, अल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, बुलीयन, एनर्जी आदि। संभवतरू इन उत्पादों के भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुछ भी असर नहीं होने जा रहा है। तीसरे, भारतीय कम्पनियों (26 प्रतिशत टैरिफ) को रेडीमेड गार्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात में पड़ौसी देशों, यथा, बांग्लादेश (37 प्रतिशत टैरिफ), पाकिस्तान (29 प्रतिशत टैरिफ), श्रीलंका (44 प्रतिशत टैरिफ), वियतनाम (46 प्रतिशत टैरिफ), चीन (34 प्रतिशत टैरिफ), इंडोनेशिया (32 प्रतिशत टैरिफ), आदि के साथ अत्यधिक स्पर्धा का सामना करना पड़ता है। परंतु, उक्त समस्त देशों से अमेरिका को होने वाले रेडीमेड गार्मेंट्स के निर्यात पर भारत की तुलना में अधिक टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की गई है। अतरू इन देशों से रेडीमेड गार्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात भारत की तुलना में महंगे हो जाएंगे, इससे रेडीमेड गार्मेंट्स के क्षेत्र में भारत के लिए लाभ की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है।

अहमदाबाद अधिवेशनः कांग्रेस के लिए चुनौती भी अवसर भी!

निर्धारक ईकाई (सीडब्ल्यूसी) की ही मीटिंग है। याद रखना चाहिए कि इससे पहले की दो सीडब्ल्यूसी की मीटिंग दिल्ली और बेलगावी में अध्यक्ष खरगे ने पार्टी की अन्दरूनी समस्याओं की गहरी पड़ताल की और जितनी सुना सकते थे उतनी खरी-खरी सुनाईं। गुटबाजी अकर्मण्यता सब पर। कांग्रेस का यह दुस्साहस ही है कि वह अपना सबसे बड़ा सम्मेलन पूर्ण अधिवेशन (प्लेनरी) 8 और 9 अप्रैल को भाजपा के सबसे मजबूत राज्य गुजरात में कर रही है। उसके शासन वाले तीन प्रदेश थे। गर्मी के हिसाब से शिमला सबसे पसंदीदा जगह थी। 8 साल बाद वहीं से कांग्रेस की राजनीतिक वापसी तय हुई थी। 2003 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वहां चिंतन शिविर आयोजित करके सत्ता में वापसी का नया रोड मेप बनाया था। पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलने का। उससे पहले पचमढ़ी 1998 में एकला चलो तय किया था। तो अपनी सरकार वाले शहर शिमला में न करके, कर्नाटक, तेलंगाना वाले कांग्रेस शासित राज्यों में भी न जा कर के और बिहार, जहां अभी इसी साल विधानसभा चुनाव हैं और सहयोगी दल आरजेडी के साथ वहां जीतने की भी अच्छी संभावनाएं हैं वह सब छोड़कर राहुल गांधी सीधे प्रधानमंत्री मोदी को उनके घर गुजरात जाकर चुनौती दे रहे हैं। यही राहुल की ताकत है। अब निर्भर पार्टी पर है कि वह इस अवसर का कितना फायदा उठा पाती है। पूर्ण अधिवेशन का मुख्य काम होता है देशवासियों में उत्साह भरना। कांग्रेस जिसने आजादी के आन्दोलन का नेतृत्व किया है पूरे देश की इच्छाओं आकांक्षाओं को प्रतिबिम्बित करती रही है। 1920 में कोलकाता से असहयोग आंदोलन का आह्वान किया था। 1929 में लाहौर में अपना लक्ष्य पूर्ण स्वराज घोषित कर दिया था। जी हां यह सब हम कांग्रेस के अधिवेशनों की ही बात बता रहे हैं। कांग्रेस मतलब देश में ही नहीं पूरी दुनिया में हिन्दुस्तान की आवाज। यह मौका आरएसएस के पास भी था। आजादी से 22 साल पहले बन गई थी। मगर वह उस समय भी नफरत और विभाजन के अजेंडे पर ही काम कर रही थी। दलित, पिछड़े, आदिवासी, महिला के समान अधिकारों का विरोध कर रही थी। और गांधी इन सबकी आवाज उठा रहे थे इसलिए उनके खिलाफ सबसे ज्यादा नफरत फैला रही थी। सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाते हुए यह कहा था कि इनकी जहरीली विचारधारा के कारण ही महात्मा गांधी की जान गई। बहरहाल हम बता रहे थे कांग्रेस के अधिवेशनों का महत्व। तो फिर 1942 में मुम्बई में सीधा अंग्रेजों भारत छोड़ो प्रस्ताव पास कर दिया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने रखा था। जो गांधी जी के साथ संघ और भाजपा के सबसे ज्यादा निशाने पर रहते हैं। खैर तो कांग्रेस के अधिवेशन देश में हमेशा से क्रान्तिकारी पैगाम लाते रहे हैं। आजादी के बाद देश का सबसे बड़ा आर्थिक फैसला जो अभी भी भारत की अर्थव्यवस्था को संभाले हुए, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, उसका फैसला इन्दिरा गांधी ने 1969 में बंगलूरू अधिवेशन में किया था। इतिहास भरा पड़ा है कांग्रेस के अधिवेशनों और देश की तरक्की का। नई सोच नई हिम्मत देने का और पार्टी के लिहाज से खुद को परिवर्तित करने का। आज कांग्रेस बहती नदी से, एक रूका हुआ तालाब बन गई है। राहुल जैसा बिल्कुल न डरने वाला नेता है। उनके जैसे ही साहसी अध्यक्ष। मल्लिकार्जुन खरगे जब अध्यक्ष बने थे तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि वे एक अलग और बड़े व्यक्तित्व के साथ दिखेंगे। मगर खरगे ने एक तरफ साहस के साथ भाजपा और संघ का मुकाबला किया तो दूसरी तरफ पार्टी में समन्वय के साथ काम। इससे अच्छी जोड़ी राजनीति में मिलना मुश्किल है। मगर परिणाम नहीं आ रहे। यह काम इन दोनों का और इनके साथ जुड़ी टीम का होता है। टुकड़ों-टुकड़ों में कई अच्छे रंग उभरते हैं। मगर पूर्णता में कांग्रेस उठ रही है ऐसा विश्वास नहीं बन रहा है। मोदीजी की कमजोरी कांग्रेस का लाभ! समय किसी का नहीं रहता जैसी बातें ठीक हैं। या एक वह वर्ग भी है जो चुनाव आयोग ऐसा है कहकर सारी बात ही खतम कर देता है। मगर चुनाव आयोग ऐसा है, बाकी संवैधानिक संस्थाएं ऐसी हैं कहने से तो चीजें नहीं बदलेंगी। सीधी बात है कि जब तक मोदी हैं तब तक चुनाव आयोग और बाकी संस्थाएं ऐसी ही रहेंगी। पहले मोदी को ही हटाना पड़ेगा। और इन संस्थाओं के रहते उनसे लड़ते उन पर दबाव बनाकर उन्हें गैरकानूनी कामों के रोज परिणाम बताते हुए। और सबसे बड़ी बात अपनी कमियों को दूर करते हुए। यही वह बात है जो अहमदाबाद में होना चाहिए और उसका हल निकलना चाहिए। वहां पहले दिन 8 अप्रैल को कांग्रेस वर्किंग कमेटी पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक ईकाई (सीडब्ल्यूसी) की ही मीटिंग है। याद रखना चाहिए कि इससे पहले की दो सीडब्ल्यूसी की मीटिंग दिल्ली और बेलगावी में अध्यक्ष खरगे ने पार्टी की अन्दरूनी समस्याओं की गहरी पड़ताल की और जितनी सुना सकते थे उतनी खरी-खरी सुनाईं। गुटबाजी अकर्मण्यता सब पर। और रही सही कसर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अहमदाबाद के पिछले महीने ही हुए एक कार्यकर्ता सम्मेलन में यह कहकर पूरी कर दी कांग्रेस में आधे भाजपाई हैं। अब क्या बचा। डायग्नोस (रोग की पहचान) हो गया।

अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का फर्स्ट लुक आउट

> खास संदेश से सजी फिल्म के केंद्र में अनुपम खेर के दिल का टुकड़ा तन्वी है। तन्वी द ग्रेट की पहली झलक शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, फर्स्ट लुक, मैंने आज से लगभग चार साल पहले तन्वी द ग्रेट फिल्म बनाने का फैसला किया था और फिर इसे लिखने और बनाने में मुझे चार साल लग गए!

अभिनेता अनुपम खेर लगभग 22 साल बाद 'तन्वी द ग्रेट' के साथ निर्देशन की दुनिया में वापसी करने को तैयार हैं। उनकी मोस्टअवेटेड फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। खास संदेश से सजी फिल्म के केंद्र में अनुपम खेर के दिल का टुकड़ा तन्वी है। तन्वी द ग्रेट की पहली झलक शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, फर्स्ट लुक, मैंने आज से लगभग चार साल पहले तन्वी द ग्रेट फिल्म बनाने का फैसला किया था और फिर इसे लिखने और बनाने में मुझे चार साल लग गए! लेकिन अब धीरे–धीरे और ढेरों प्यार के साथ आप लोगों के साथ मेरे 'दिल के टुकड़े को शेयर करने का समय आ गया है!" अभिनेता ने फिल्म के मुख्य किरदार तन्वी की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा, "क्या वह असाधारण है? क्या वह यूनिक है? क्या उसके पास कोई सुपरपावर है? हम नहीं जानते। हम जो जानते हैं वह यह है कि.. . तन्वी अलग है, लेकिन कम नहीं! तन्वी द ग्रेट जल्द आ रहा है!" फर्स्ट लुक एक लड़की का है, जो सपनों, उम्मीदों के बीच खड़ी नजर आती है। उसमें खूब मासूमियत देखने को मिली।

वीडियो के अंत में तन्वी कहती है...मॉम, तन्वी इज रेडी, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि वह समस्याओं से लड़ने वाली एक मजबूत लड़की है। 1 अप्रैल को एक पोस्ट शेयर कर खेर ने 'तन्वी द ग्रेट' के बारे में बात की थी। वीडियो में वह कहते नजर आए, "तन्वी द ग्रेट–द जनीर्रू मेरी फिल्म तन्वी द ग्रेट तैयार है! धीरे–धीरे दुनिया को फिल्म के बारे में बताने का समय आ गया है! पता नहीं इसका प्रचार कैसे शुरू किया जाए। मार्केटिंग वाले अलग–अलग होते हैं और अच्छे सुझाव दे रहे थे! लेकिन मुझे लगा कि फिल्म की कहानी भले ही काल्पनिक है, लेकिन हमारी तन्वी काल्पनिक नहीं है! वह असली है!"उन्होंने आगे बताया, इसलिए प्रचार भी वास्तविक होना चाहिए। मुझे नहीं पता कि बात करते समय मेरी आंखें क्यों नम हो गईं। असल में, मुझे पता है क्यों! लेकिन मैं भविष्य में कभी आप लोगों के साथ यह कहानी शेयर करूंगा।" अनुपम खेर के निर्देशन में तैयार फिल्म के संगीत को ऑस्कर विजेता एमएम कीरावनी ने कंपोज किया है। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी के साथ मिलकर किया है।

अपारशक्ति खुराना ने अपनी वेब–सीरीज जुबली के 2 साल पूरे होने पर कहा समय तेजी से बीतता है

अभिनेता अपारशक्ति खुराना बेहद प्रतिभाशाली हैं, यह बात सभी जानते हैं। अपने प्रभावशाली अभिनय करियर के कारण अपार ने खुद को किसी खास प्रकार की भूमिका तक सीमित नहीं रखा है, अपार ने ऐसे दर्शक जुटाए हैं जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा की सराहना करते हैं, चाहे उनकी भूमिका किसी भी तरह की क्यों न हो। और एक ऐसा किरदार जिससे उनके दर्शक नफरत करते थे, वह था उनकी अमेजन प्राइम वीडियो सीरीज जुबली में मदन कुमार का किरदार। इस सीरीज में पुराने जमाने के बॉलीवुड के अंधेरे पहलू को दिखाया गया था और दिखाया गया था कि कैसे किसी के सपने पूरे न होने का डर अक्सर बड़े पैमाने पर अराजकता का कारण बनता है। अपारशक्ति खुराना ने बिनोद दासध्मदन कुमार का किरदार निभाया था, जो एक महत्वाकांक्षी अभिनेता है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। और शो के रिलीज के 2 साल पूरे होने के अवसर पर, अपार ने अपने सोशल मीडिया पर इसे स्वीकार करते हुए लिखा, पहले ही दो साल हो गए। समय बहुत तेजी से बीतता है। शो में अपारशक्ति के अभिनय की व्यापक रूप से प्रशंसा की गई और बिनोद दास, एक जटिल चरित्र के उनके चित्रण को वास्तव में पसंद किया गया और सराहा गया, अभिनेता को अद्भुत समीक्षा मिली। जुबली को फिल्म उद्योग पर अपने यादगार दृष्टिकोण के लिए भी सकारात्मक समीक्षाएं मिलीं और इसके साथ ही एक बार फिर अपारशक्ति खुराना ने अपनी अविस्मरणीय परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया।

करीना कपूर ने सोहा अली खान और नेहा धूपिया के साथ संडे रीसेट का लिया आनंद

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने अपनी भाभी सोहा अली खान, देवर कुणाल खेमू, एक्ट्रेस नेहा धूपिया और अंगद बेदी के साथ संडे रीसेट का आनंद लिया। इस मजेदार मुलाकात के दौरान उनके साथ कुछ और दोस्त भी थे। उनका वीकेंड बढ़िया खाने और दोस्तों के साथ मजेदार समय बिताते हुए गुजरा। सोहा द्वारा अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में वे सभी टेबल के चारों ओर साथ में दिख रहे हैं। एक फोटो में कुणाल पूल से कैमरे के लिए पोज दे रहे हैं, जबकि दूसरी में वे अपनी नन्हीं सी बच्ची इनाया के साथ पियानो बजाते नजर आ रहे हैं। इस सुहावनी दोपहर में सोहा ने छोटी इनाया के साथ शतरंज का खेल भी खेला। सोहा की पोस्ट में कुणाल की नाक पर चम्मच रखे हुए एक मजेदार फोटो भी शामिल है। सोहा की ताजा इंस्टाग्राम पोस्ट का टाइटल था, संडे रीसेट, साथ में लाल दिल वाला इमोजी भी था। करीना और सैफ अली खान ने चाकू से हमले वाली भयानक घटना के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में परिवार के साथ अपनी पहली ईद मनाई। बॉलीवुड के इस पावर कपल ने अपनी बहनों सबा तथा सोहा और कुणाल खेमू के साथ ईद मनाई। सभी पटौदी भाई–बहन पारंपरिक परिधानों में बेहद खूबसूरत लग रहे थे, जबकि बेबो ने अपनी नैसर्गिक खूबसूरती से चार चांद लगा दिए। सोहा ने पति कुणाल के साथ सभी के लिए सेवइयां पकाकर ईद को और भी खास बना दिया। सोहा द्वारा अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की गई क्लिप में कुणाल दूध चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी चीनी मिला रही हैं।सोहा ने कैप्शन में लिखा, सेवइयों के बिना ईद भी होती है क्या? हमारी तरफ से आपको ईद मुबारक। काम के लिहाज से, करीना 2018 की फिल्म वीरे दी वेडिंग के बहुप्रतीक्षित सीक्वल में कालिंदी के रूप में अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी। दूसरी तरफ, सोहा को एक और सीक्वल छोरी 2 में खलनायिका के रूप में लिया गया है। इस प्रोजेक्ट में नुसरत भरुचा एक बार फिर साक्षी के रूप में नजर आएंगी, जो अपने बच्चे की रक्षा के लिए दुर्जेय अलौकिक शक्तियों का सामना करती हैं।

शाहरुख खान की किंग में शामिल हुई दीपिका पादुकोण, फिल्म में निभाएंगी सुहाना खान की मां का किरदार?

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने अपनी बेजोड़ केमिस्ट्री से बड़े पर्दे पर लगातार धमाल मचाया है – 'ओम शांति ओम' में अपने प्रतिष्ठित डेब्यू से लेकर 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पठान' और 'जवान' जैसी भीड़ खींचने वाली फिल्मों तक। अब, यह पावर जोड़ी सिद्धार्थ आनंद की आगामी एक्शन थ्रिलर 'किंग' में एक बार फिर साथ आने के लिए तैयार है। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग में वे फिर से निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ काम कर रहे हैं। पीपिंगमून की रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका को फिल्म में एक विस्तारित कैमियो के लिए लाया गया है, लेकिन इससे आप भ्रमित न हों। उनका किरदार कथानक में गहराई से बुना गया है और फिल्म के भावनात्मक और नाटकीय कोर की कुंजी रखता है क्योंकि वह सुहाना खान की ऑन–स्क्रीन माँ की भूमिका में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यह बात सभी जानते हैं कि सुजॉय घोष के किंग से बाहर होने के बाद सिद्धार्थ आनंद ने इस प्रोजेक्ट को संभाला था। किंग से जुड़ी ताजा खबरों से पता चलता है कि दीपिका पादुकोण को इस फिल्म में लिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका इस फिल्म में सुहाना की मां का किरदार निभा सकती हैं। पीपिंगमून की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका को सुहाना की ऑनस्क्रीन मां का किरदार ऑफर किया गया है। दीपिका इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में शाहरुख की पूर्व प्रेमिका के रूप में भी नजर आएंगी। भले ही अभिनेत्री की भूमिका को एक विस्तारित कैमियो के रूप में संदर्भित किया जा रहा है, लेकिन यह कहानी के मुख्य संघर्ष को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दीपिका का किरदार किंग की कहानी के लिए कथित तौर पर बहुत महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दीपिका सिद्धार्थ के निर्देशन में शामिल होने के लिए उत्साहित और उत्सुक दोनों थीं। शाहरुख के अलावा, सिद्धार्थ भी कथित तौर पर इस भूमिका के लिए दीपिका को लेने के लिए उत्सुक थे। अगर यह सहयोग सफल होता है, तो यह दीपिका का जवान के सह–कलाकार शाहरुख के साथ फिर से जुड़ना होगा। दोनों ने पठान, चेन्नई एक्सप्रेस, हैप्पी न्यू ईयर और ओम शांति ओम सहित कई सफल फिल्मों में स्क्रीन स्पेस साझा किया था। इस बड़ी मनोरंजन खबर में, तब्बू और सैफ अली खान को कथित तौर पर किंग में सुहाना के माता–पिता की भूमिका निभाने के लिए माना जाता था, लेकिन यह विचार छोड़ दिया गया। अगर रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए, तो अभिषेक बच्चन फिल्म में एक खतरनाक खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। किंग, जिसे कथित तौर पर एक रिवेंज थ्रिलर के रूप में संदर्भित किया जा रहा है, में मुंज्या फेम अभय वर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। जहां तक घ्घ्घकिंग की नाटकीय रिलीज का सवाल है, निर्माता 2026 के अंत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वर्तमान में, सिद्धार्थ आनंद की बहुप्रतीक्षित फिल्म का प्री–प्रोडक्शन चल रहा है। निर्माता अगले महीने मुंबई में शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

होमटाउन पहुंचते ही खिला शहनाज गिल का चेहरा, पानीपूरी के चटकारे लेती एक्ट्रेस की सादगी ने जीता फैंस का दिल

बिग बॉस 13 से फेम पाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव रहती हैं और अपने खूबसूरत पोस्ट्स से फैंस का दिल जीतती रहती हैं। हाल ही में शहनाज मुंबई से अपने होमटाउन पहुंची और वहां पहुंचकर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। जैसे ही ये तस्वीरें इंटरनेट पर आईं, तो झट से वायरल हो गईं। फैंस अब शहनाज की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। शहनाज गिल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनकी सादगी साफ झलक रही है। इन तस्वीरों में शहनाज ने सिंपल कुर्ता पहना है और साथ में व्हाइट कलर की स्टॉल कैरी की है। बालों की एक्ट्रेस ने मैसी सी पोनी बना रखी है और हलके मेकअप में काफी ग्लोइंग दिख रही हैं। एक तस्वीर में जहां शहनाज फोन लिए पोज दे रही हैं तो दूसरी में पानी की बोतल लिए नजर आ रही हैं। तीसरी फोटो में वह खुलकर हंस रही हैं और प्यारी मुस्कान से फैंस का दिल जीत रही हैं। जबकि आखिरी तस्वीर में शहनाज पानीपूरी के चटकारे लेती दिख रही है। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। काम की बात करें तो इन दिनों शहनाज गिल अपनी नई पंजाबी फिल्म इक कुड़ी की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म के साथ वह प्रोड्यूसर के रूप में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म का निर्देशन अमरजीत सिंह सरोन कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहनाज गिल की यह फिल्म 13 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके लिए उनके फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

एक बार बेसन और टमाटर की चटनी खा लिए, तो सब्जी का स्वाद भूल जाएंगे

रोजाना एक जैसा खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते है। ऐसे में आप कुछ नया और झटपट से बनने वाली है। अगर आप घर पर बेसन वाली टमाटर की चटनी बनाएंगे, तो लोग इसे जरुर पसंद करेंगे। यह स्वाद में बेहद ही चटपटी है कि देखकर ही मुंह में पानी आ जाता है। इस चटनी को आप रोटी या पराठे के साथ खा सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

बेसन और टमाटर की चटनी की सामग्री

– टमाटर– 4 बारीक कटे हुए
– बेसन– 2 छोटे चम्मच
– तेल– 2 चम्मच
– राई– आधा चम्मच
– हींग– 1 चुटकी
– सूखी लाल मिर्च– 2
– करी पत्ता– 5
– हरी मिर्च– 1 बारीक कटा हुआ
– लाल मिर्च पाउडर– आधा छोटा चम्मच
– नमक– स्वादानुसार
– हरा धनिया– गार्निश करने के लिए
– पानी– जरूरत के हिसाब से

बेसन और टमाटर की चटनी बनाने की विधि

– सबसे पहले आप सभी सामग्रियों को तैयार कर लें। अब कड़ाही में 1 चम्मच तेल गर्म करें और बेसन डालकर हल्की आंच पर भूनें।

– इसको आप लगातार चलाते हैं, ताकि बेसन जले नहीं। खुशबू आने लगे तो एक प्लेट या कटोरे में निकाल लें। फिर से उसी कड़ाही में बचा हुआ तेल गर्म करें।

– तेल गर्म हो जाए तो इसमें हींग, करी पत्ता, साबुत लाल मिर्च और हरी मिर्च डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें और राई चटकने का इंतजार करें।

– इसमें अब कटे हुए टमाटर डालें और नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। इसे ढककर 5–7 मिनट पकाएं जब तक टमाटर गल जाएं और मसाला को गाढ़ा हो जाए।

– अब आप इसमें भुना हुआ बेसन डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। जिससे चटनी को मनचाही गाढ़ा या पतला किया जा सकेगा।

– अब आप 2–3 मिनट तक चटनी पकाएं जब तक बेसन और टमाटर पूरी तरह से एक साथ हो जाएं। अब गैस बंद करें और ऊपर से हरा धनिया जरुर डालें।

गर्मी में बच्चों को देते हैं बर्फ का गोला ? तो पैरेंट्स पढ़ लें ये खबर, आपके लिए है जरूरी

क्या आप जानते हैं कि आठ साल से कम उम्र के बच्चों को स्लशी पीना उनकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है? हाल ही में हुए एक अध्ययन ने यह खुलासा किया है कि स्लशी (बर्फ का गोला) में मौजूद ग्लिसरोल बच्चों में गहरी बीमारी का कारण बन सकता है। तो, अगर आप अपने बच्चों के लिए स्लशी खरीदने का सोच रहे हैं, तो पहले इस चेतावनी को जरूर ध्यान में रखें! अपने बच्चों की सेहत का ख्याल रखें, और स्लशी से दूर रहें।

(बर्फ का गोला) होता क्या है?

जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें बता दें कि बर्फ का गोला एक ठंडा ड्रिंक होता है, यह फ्लेवर्ड आइस और ड्रिंक से बनता है, और इसका टेक्सचर ग्रैनिटास से मिलता–जुलता होता है, स्लशी को बनाने के लिए बर्फ को छोटे टुकड़ों में क्रश करके उसमें फ्लेवर्ड सिरप या जूस मिलाया जाता है, जिससे यह ठंडा, स्वादिष्ट और पीने में बहुत ही मजेदार बनता है। इसे ज्यादातर बच्चे बहुत मजे के साथ पीते हैं।

ग्लिसरोल से हो सकता है गंभीर असर

हाल ही में यूनाइटेड किंगडम और आयरलैंड के 21 बच्चों पर रिसर्च की गई, जो स्लशी (बर्फ का गोला) पीने के बाद अचानक अस्पताल पहुंचे थे। ये बच्चे दो से सात साल की उम्र के थे। डॉक्टरों ने पाया कि इन बच्चों को ग्लिसरोल की वजह से ग्लिसरोल इन्टॉक्सिकेशन सिंड्रोम हो गया था। इस कारण बच्चों को शॉक, इसववक `नहंत में कमी (हाइपोग्लाइसीमिया), और होश खोने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इस रिर्सच में यह भी देखा गया कि कई बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया गया और उनका इलाज किया गया, जिसमें न्यूरोइमेजिंग , दौरे और अन्य उपचार शामिल थे। हालांकि, बच्चे पूरी तरह ठीक हो गए और उन्हें स्लशी (बर्फ के गोले) से बचने की सलाह दी गई।

ग्लिसरोल क्या है और यह क्यों खतरनाक है?

स्लशी (बर्फ का गोला) में ग्लिसरोल का इस्तेमाल उसे जमने से रोकने और तरल बनाए रखने के लिए किया जाता है। यह बच्चों की सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, क्योंकि अगर बच्चे जल्दी–जल्दी स्लशी (बर्फ का गोला) पीते हैं, तो ग्लिसरोल की ज्यादा मात्रा उनके शरीर में जा सकती है, जिससे गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

माता–पिता को चाहिए जागरूकता

माता–पिता को यह समझना जरूरी है कि स्लशी (बर्फ का गोला) में ग्लिसरोल हो सकता है, जो बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। ग्लिसरोल की अधिक मात्रा से बच्चों में बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। स्लशी (बर्फ का गोला) में ग्लिसरोल की मात्रा अलग–अलग होती है, और यह अनुमान लगाना मुश्किल होता है कि बच्चों के लिए कितनी मात्रा सुरक्षित है। इसलिए बच्चों को स्लशी (बर्फ का गोला) देने से बचना चाहिए, खासकर छोटे बच्चों को। यदि बच्चे स्लशी पीने की जिद करें, तो उन्हें जूस या पानी देना बेहतर होगा। अगर बच्चे के शरीर में असामान्य लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि 8 साल से छोटे बच्चों को स्लशी (बर्फ का गोला) से दूर रखा जाए।

डॉक्टरों का सुझावः डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों की उम्र के आधार पर स्लशी (बर्फ का गोला) के सेवन से जुड़ी सलाह को बदलना चाहिए, ताकि बच्चों को स्लशी से होने वाली समस्याओं से बचाया जा सके।

एफएसए की स्वास्थ्य सलाह

वर्तमान में, खाद्य मानक एजेंसी (एफएसए) की सलाह है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों को स्लशी (बर्फ का गोला) से पूरी तरह बचना चाहिए और 11 साल से कम उम्र के बच्चों को एक से ज्यादा स्लशी (बर्फ का गोला) नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि, डॉक्टरों और शोधकर्ताओं का मानना है कि आठ साल से कम उम्र के बच्चों को स्लशी से पूरी तरह बचाना चाहिए।

डिस्कलेमरः यह लेख केवल जानकारी देने के उद्देश्य से है, किसी भी स्वास्थ्य संबंधित सलाह के लिए कृपया विशेषज्ञ से संपर्क करें।

गर्मियों में शरीर को ठंडा रखता है आम पन्ना, लू से बचाने में करता है मदद, नोट करें रेसिपी

खासतौर पर गर्मियों सबसे ज्यादा कुछ ठंडा खाने का मन करता है। इस मौसम में ज्यादातार लोग अपनी डाइट में कुछ ऐसी ड्रिंक को एड ऑन करते हैं, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं। गर्मी मे लू से बचाने के लिए आम पन्ना बेहद ही कारगर साबित होता है। मौसम विभाग ने जारी किया है कि आने वाले दिनों में दिल्ली–एनसीआर में लू के थपेड़ों की शुरुआत होगी। कुछ दिनों दिनों तक राजधानी में 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने की संभावना जताई है। ऐसे में आपको अपनी बॉडी को लू बचाना बेहद जरुरी है। बाजार में कच्चे आम आ गए हैं। आप अपने घर में कच्चे आम से चटपटा आम पन्ना बना सकते हैं। कच्चा आम में विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम और सोडियम जैसे पोषक तत्व पाएं जाते हैं जो सबसे फायदेमंद होते हैं। आम पन्ना के सेवन से गर्मियों में चलने वाली लू के थपेंड़ों से बचा जा सकता है। आइए आपको आम पन्ना की रेसिपी बताते हैं।

आम पन्ना बनाने के लिए सामग्री

– 2 कच्चे आम
– 3–4 बड़े चम्मच चीनी या गुड़
– 1 छोटा चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर
– 1/2 छोटा चम्मच काला नमक
– 1/4 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
– 2 कप ठंडा पानी
– बर्फ के टुकडें
– पुदीने की पत्तियां

आम पन्ना की विधि

सबसे पहले आप कच्चे आम को धोकर उबाल लें। अगर आप चाहते हैं तो आम को भून सकते हैं। अब आप आम को ठंडा करके उसका छिलका उतारकर गूदा निकाल लें। फिर आप ब्लेंडर में आम का गूदा, चीनी (या गुड़), भुना जीरा पाउडर, काला नमक और काली मिर्च पाउडर और ठंडा पानी डालकर सभी सामग्री को अच्छे से ब्लेंड करें। इस मिश्रण को अच्छे से छान लें ताकि इसमें कोई आम का रेशा न रहे। इसके बाद आप एक गिलास लें उसमें बर्फ डालें और ऊपर से आम पन्ना डालकर पुदीने की पत्तियों से सजाकर ठंडा–ठंडा पिएं।

बिना पीरियड्स के भी होते हैं क्रैम्प्स तो इसे ना लें हल्के में, पेट में ऐंठन होते ही जाएं डॉक्टर के पास

क्रैम्प्स (मांसपेशियों में ऐंठन या मरोड़) वैसे तो आमतौर पर महिलाओं में पीरियड्स के दौरान महसूस होते हैं, लेकिन कई बार बिना पीरियड्स के भी यह समस्या हो सकती है। अगर आपको पीरियड्स नहीं आए हैं लेकिन पेट या शरीर के अन्य हिस्सों में क्रैम्प्स हो रहे हैं, तो यह किसी अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है, जिसे नजरअंदाज बिल्कुल ना करें। पहले समझते हैं किस कारण होता है ऐसा और कब जाना चाहिए डॉक्टर के पास।

बिना पीरियड्स के क्रैम्प्स होने के कारण

अगर आपकी मासिक धर्म चक्र में देरी हो रही है और पेट में हल्के से मध्यम दर्द वाले क्रैम्प्स महसूस हो रहे हैं, तो यह गर्भावस्था का संकेत हो सकता है। इसके लिए घर पर प्रेगनेंसी टेस्ट करें या डॉक्टर से सलाह लें। कुछ महिलाओं को ओव्यूलेशन (अंडोत्सर्जन) के दौरान दर्द महसूस होता है, यह सामान्य है, लेकिन दर्द बहुत ज्यादा हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

ये भी है दर्द का कारण

यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें यूट्रस (गर्भाशय) की लाइनिंग गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगती है। बिना पीरियड्स के गंभीर ऐंठन, पेट में सूजन, दर्दनाक संभोग होता है अगर बार–बार क्रैम्प्स हो रहे हैं, तो गायनेकोलॉजिस्ट से जांच करवाएं। वहीं पीसीओएस एक हार्मोनल समस्या है, जिसमें ओवरी में सिस्ट बन जाते हैं और पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। इसमें अनियमित मासिक धर्म, अचानक वजन बढ़ना, चेहरे पर अनचाहे बाल, पेट दर्द जैसी समस्या आती है। बेहतर होगा कि ब्लड टेस्ट और अल्ट्रासाउंड के लिए डॉक्टर से संपर्क करें। अगर आपको पेशाब के दौरान जलन और बार–बार यूरिन आने की समस्या हो रही है, तो यह यूटीआई या ब्लैडर इंफेक्शन हो सकता है। इस दौरान पेट के निचले हिस्से में दर्द, पेशाब में जलन, बार–बार यूरिन आने की समस्या होती है। इससे बचने के लिए खूब पानी पिएं और डॉक्टर की सलाह लें। अगर आपको कब्ज या गैस्ट्रिक समस्या है तो पेट फूलना, गैस, भारीपन, शौच करने में कठिनाई हो सकती है।

कब डॉक्टर से मिलना चाहिए?

– बहुत ज्यादा दर्द हो जो रोजमर्रा के कामों को प्रभावित कर रहा हो।

–पीरियड्स मिस हो गए हों और साथ में तेज ऐंठन हो रही हो।

– पेशाब में जलन या डिस्चार्ज में बदलाव महसूस हो रहा हो।

– पेट में सूजन और असहजता बनी हुई हो।

– दर्द के साथ उल्टी, चक्कर आना या तेज बुखार हो।

क्रैम्प्स से राहत पाने के घरेलू उपाय

पेट के निचले हिस्से पर गर्म पानी की बोतल से सिकाई करने से मांसपेशियों को आराम मिलेगा। अदरक या कैमोमाइल चाय भी दर्द को कम करने में मदद कर सकती है। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए दिनभर में 8–10 गिलास पानी पिएं। वहीं योग और स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों की ऐंठन कम होगी।

संक्षिप्त

माइक्रोसॉफ्ट की कर्मचारी ने बिल गेट्स को कहा– शेम ऑन यू, अब नौकरी से निकाला गया

माइक्रोसॉफ्ट ने सोमवार को कंपनी की 50वीं एनिवर्सरी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जबरदस्त हंगामा हुआ है, जिसमें कर्मचारियों ने हंगामा किया है। इस दौरान कर्मचारियों ने फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के कारण कंपनी की 50वीं एनिवर्सरी में बाधा डाली है। ये कदम उठाने वाले दो कर्मचारियों में से एक को कंपनी ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। इन कर्मचारियों के खिलाफ ये एक्शन इसलिए लिया गया है क्योंकि उन्होंने फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के कारण कंपनी की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में बाधा डाली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इब्तिहाल अबूसाद को नौकरी से निकाल दिया गया है। अबूसाद ने मंच पर बोलते समय माइक्रोसॉफ्ट के एआई सीईओ मुस्तफा सुलेमान से बहस की थी। अबूसाद माइक्रोसॉफ्ट के उन दो कर्मचारियों में से एक थे, जिन्होंने कंपनी के इजरायल के साथ संबंधों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए 50वीं वर्षगांठ के समारोह में गुस्सा जाहिर किया था। दूसरी भारतीय–अमेरिकी इंजीनियर वानिया अग्रवाल थीं। वानिया ने विरोध में उस समय बोलना शुरू किया जब माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला बिल गेट्स और स्टीव बाल्मर के साथ मंच पर थे। कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाले जाने के बाद अपने सहकर्मियों को भेजे गए एक ईमेल में वानिया अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने कंपनी छोड़ने का निर्णय ले लिया है। कंपनी में 11 अप्रैल उनका अंतिम दिन होगा।

इब्तिहाल अबूसाद को बर्खास्त किया गया

माइक्रोसॉफ्ट ने इब्तिहाल अबूसाद को मुस्तफा सुलेमान के खिलाफ उनके मुखर और नाटकीय विरोध के बाद नौकरी से निकाल दिया था, उन्होंने सुलेमान को ''युद्ध मुनाफाखोर'' कहा था। कंपनी ने उसकी बर्खास्तगी का कारण उसके विरोध को बताया। माइक्रोसॉफ्ट ने अबूसाद को भेजे एक ईमेल में कहा, आज पहले, आपने रेडमंड, सिएटल में कंपनी की 50वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के दौरान माइक्रोसॉफ्ट एआई के सीईओ मुस्तफा सुलेमान के भाषण को बाधित किया, जिसमें हजारों उपस्थित लोगों के सामने सीईओ पर चिल्लाया और उंगली उठाई, और सीईओ, कंपनी और आम तौर पर माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ शत्रुतापूर्ण, अकारण और अत्यधिक अनुचित आरोप लगाए, माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, जिसकी एक प्रति की समीक्षा वर्ज द्वारा की गई थी। जबकि सीईओ शांत रहे और मामले को शांत करने का प्रयास किया, आपका आचरण इतना आक्रामक था कि आपको सुरक्षाकर्मियों द्वारा कमरे से बाहर निकाला गया। माइक्रोसॉफ्ट की ओर से भेजे गए ईमेल में कहा गया है, ष्कंपनी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि आपका कदाचार बदनामी हासिल करने और इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में अधिकतम व्यवधान पैदा करने के लिए किया गया था। यह भी चिंताजनक है कि आपने कंपनी से माफी नहीं मांगी है, और वास्तव में आपने अपने कार्यों के कारण हुए या होने वाले प्रभाव के लिए कोई पश्चाताप नहीं दिखाया है।

टैरिफ के प्रभाव का हुआ सोने–चांदी के दाम पर असर, दिल्ली–मुंबई में ये हैं रेट

ट्रंप द्वारा लागू किए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण वैश्विक बाजार में हलचल मची हुई है। इस कारण सोने–चांदी के दाम पर भी असर देखने को मिल रहा है। मंगलवार को सोने–चांदी की कीमत में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में 24 कैरेट सोना 10 रुपये कम हुआ है। गुडरिटर्न्स वेबसाइट के अनुसार 10 ग्राम सोना अब 90,370 रुपये हो गया है। चांदी की कीमत 100 रुपये नीचे गिरी है। एक किलो चांदी खरीदने के लिए अब 93,900 रुपये खर्च करने होंगे। वहीं 22

कैरेट सोना अब 82,840 रुपये पर पहुंच गया है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई में 24 कैरेट सोना 90, 370 रुपये पर बना हुआ है। दिल्ली में इसकी कीमत 90,520 रुपये है। वहीं 22 कैरेट सोना खरीदने के लिए मुंबई में ग्राहकों को 82,840 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा कोलकाता, बेंगलुरू, चेन्नई और हैदराबाद में भी 82,840 रुपये प्रति 10 ग्राम 22 कैरेट सोना है। दिल्ली में इसकी कीमत 82,990 रुपये पर है। मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के अनुसार, वैश्विक व्यापार युद्ध और आर्थिक मंदी की आशंकाओं के बीच, सोमवार 7 अप्रैल को एमसीएक्स सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 88,000 रुपये पर पहुंच गई। यह बढ़ती अनिश्चितता और आर्थिक अस्थिरता के कारण सोने की मांग में वृद्धि के कारण हुआ है। मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमत सोमवार को प्रति किलोग्राम 88,698 रुपये पर पहुंच गई। यह बढ़ती मांग और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण हुआ है। इंडियन बुलियन एसोसिएशन (आईबीए) के अनुसार, सोमवार को 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 88,170 रुपये थी। वहीं, 22 कैरेट नहीं बल्कि चांदी की कीमत प्रति किलोग्राम 80,823 रुपये थी। यह जानकारी आईबीए द्वारा जारी की गई है, जो भारतीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों को ट्रैक करती है।

श्रीलंका में वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान, इन तीन नए चेहरों को मिला मौका

नई दिल्ली। इस महीने के अंत में श्रीलंका में शुरू होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान हो गया है। स्टार ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर की टीम में वापसी हुई है और वही टीम का कमान भी संभालेंगी। हरमनप्रीत को जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए आराम दिया गया था। बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया है और स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 27 अप्रैल को शुरू होगी और 11 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के अलावा इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम हिस्सा लेगी।

डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 27 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। तीनों टीमें चार–चार मैच खेलेंगी और शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और तितास साधु चोटिल हैं। इसलिए उनके चयन पर विचार नहीं किया गया। टीम में काशवी गौतम, श्री चरणी और शुचि उपाध्याय को शामिल किया गया है। इन तीनों ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और टीम में नया चेहरा हैं।

भारतीय टीम में तीन नए चेहरे

21 साल की तेज गेंदबाज काशवी गौतम को मौका दिया गया है। वह महिला प्रीमियर लीग में स्टार परफॉर्मर रही थीं। उन्होंने टूर्नामेंट में नौ मैचों में कुल 11 विकेट झटके थे। उन्हें इस प्रदर्शन के आधार पर पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। 20 साल की चरणी बाएं हाथ की स्पिनर हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में दो मैच खेले थे और चार विकेट लिए थे। वहीं, बाएं हाथ की स्पिनर शुचि सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी टूर्नामेंट में तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। उन्होंने 3.48 की इकोनॉमी रेट

से नौ पारियों में 18 विकेट झटके थे। उनकी टीम मध्य प्रदेश ने ट्रॉफी जीती थी और वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

हरमनप्रीत कौर चोट से जूझ रही थीं

भारत ने आयरलैंड के खिलाफ अपनी पिछली वनडे सीरीज को 3–0 से जीता था। हरमनप्रीत इस सीरीज का हिस्सा नहीं रही थीं और मंधाना ने उनकी गैरमौजूदगी में टीम का नेतृत्व किया था। दीप्ति शर्मा ने उप कप्तान की भूमिका निभाई थी। दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान हरमनप्रीत के घुटने में चोट लग गई थी। इससे पहले इस 35 वर्षीय खिलाड़ी को अक्तूबर 2024 में महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान गर्दन में चोट लग गई थी।

रेणुका पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान हैं

हरमनप्रीत ने हालांकि पिछले महीने महिला प्रीमियर लीग में सफल वापसी की थी। मुंबई इंडियंस ने उनकी अगुवाई में खिताब जीता था। तेज गेंदबाज रेणुका को भी आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में आराम दिया गया था। वह दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में तीन मैचों में 10 विकेट लेकर सीरीज की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थी। वह पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान रही हैं।

त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप–कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसब्निस, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय।

आरसीबी ने 10 साल बाद वानखेड़े में मुंबई इंडियंस को हराया, MI की लगातार चौथी हार

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच आईपीएल 2025 का 20वां मुकाबला खेला गया। जिसमें आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को 12 रन से हरा दिया। वहीं रॉयल चौलेंजर्स बैंगलुरु ने 10 साल बाद वानखेड़े में मुंबई को हराया है। इसके साथ ही मुंबई की इस सीजन में ये लगातार चौथी हार है। जबकि आरसीबी को 3 जीत मिली है। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए, निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 221 रन जुटाए। बेंगलुरु के लिए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 42 गेंदों में 8 चौकों और दो छक्कों की मदद से 67 रनों की पारी खेली। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट और कप्तान हार्दिक पंड्या ने दो–दो विकेट झटके। विग्नेश पुथुर ने एक शिकार किया। वहीं जनवरी के बाद प्रतिस्पर्धा क्रिकेट में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कोई विकेट नहीं मिला। आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बोल्ट ने पहले ही ओवर में फिल साल्ट को महज 4 रन पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (22 गेंद में 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की अहम साझेदारी की। कोहली कप्तान रजत पाटीदार के संग तीसरे विकेट के लिए 84 रनों की पार्टनरशिप की। हार्दिक ने 15वें ओवर में कोहली और लियाम लिविंगस्टोन (0) को आउट किया। ऐसे में पाटीदार ने जितेश शर्मा के साथ मोर्चा संभाला और दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन जोड़कप आरसीबी को 200 के पार पहुंचाया। उन्होंने दो चौके और चार छक्के लगाए। बोल्ट ने चार ओवर के स्पेल में 57 रन लुटाए। उन्होंने पहली बार आईपीएल में किसी मैच में पचास से ज्यादा रन खर्च किए। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन ही बना पाई और अपना आईपीएल 2025 का चौथा मुकाबला भी हार गई। वहीं डप के लिए तिलक वर्मा ने 29 गेंद में 56 रन और कप्तान हार्दिक पंड्या ने 15 गेंद पर 42 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद पर 28 रन बनाए। विल जैक्स ने 18 गेंद पर 22 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 9 गेंद पर 17 रन बनाए। रेयान रिकल्टन ने 10 गेंद पर 17 रन बनाए। नमन धीर ने 6 गेंद पर 11 रन बनाए। क्रुणाल पंड्या ने 45 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

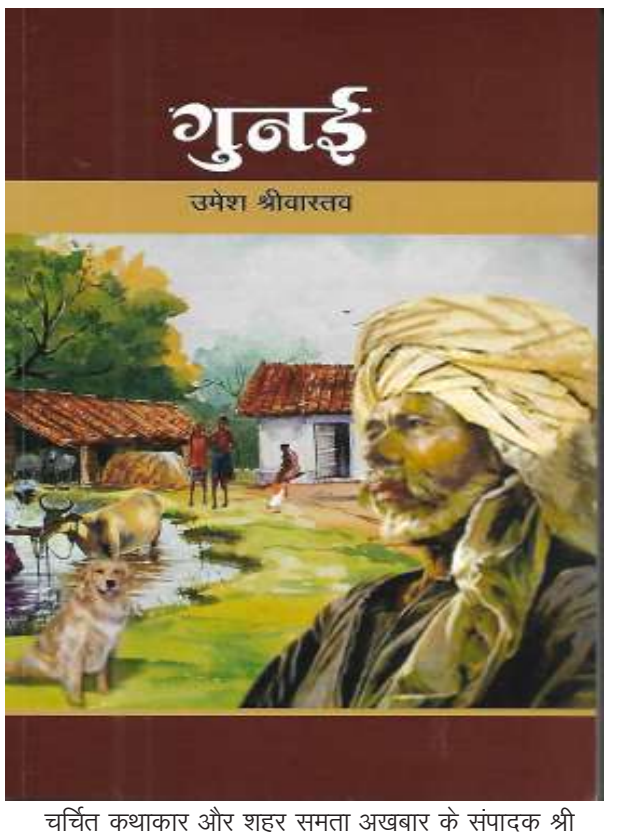

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

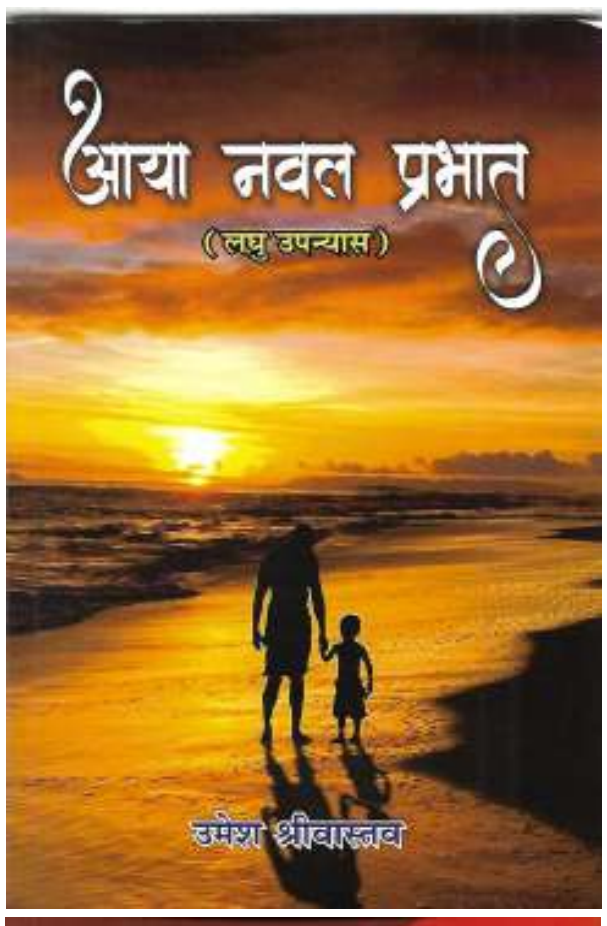

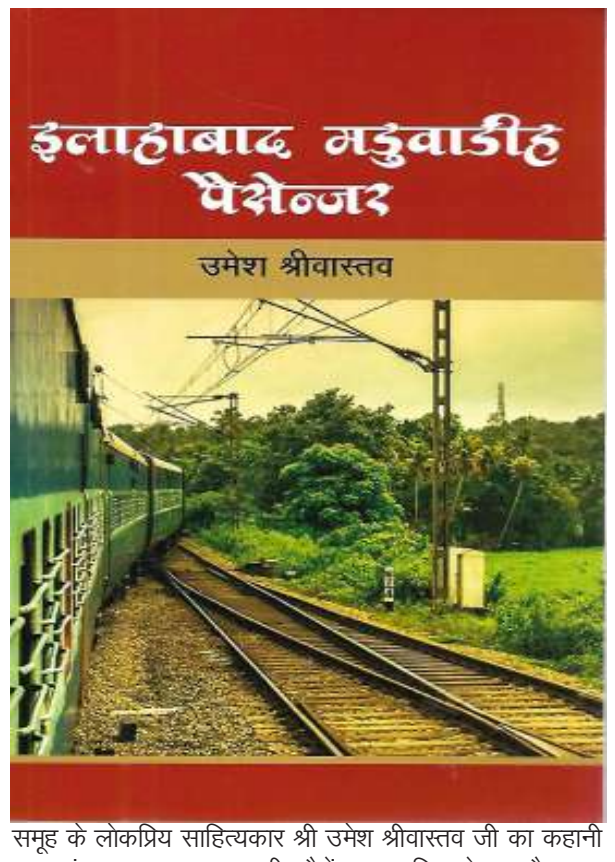

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

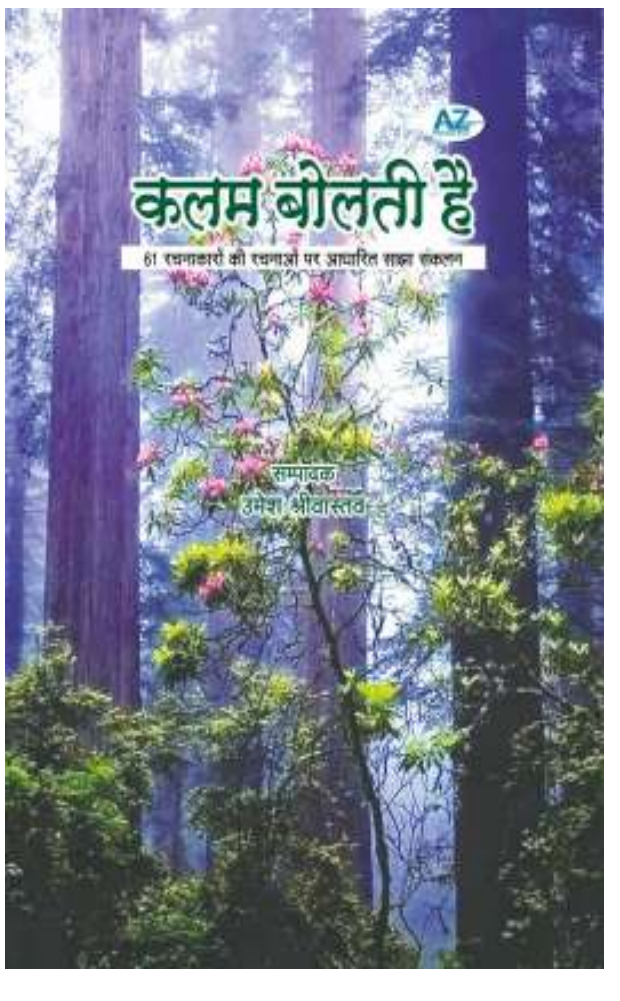

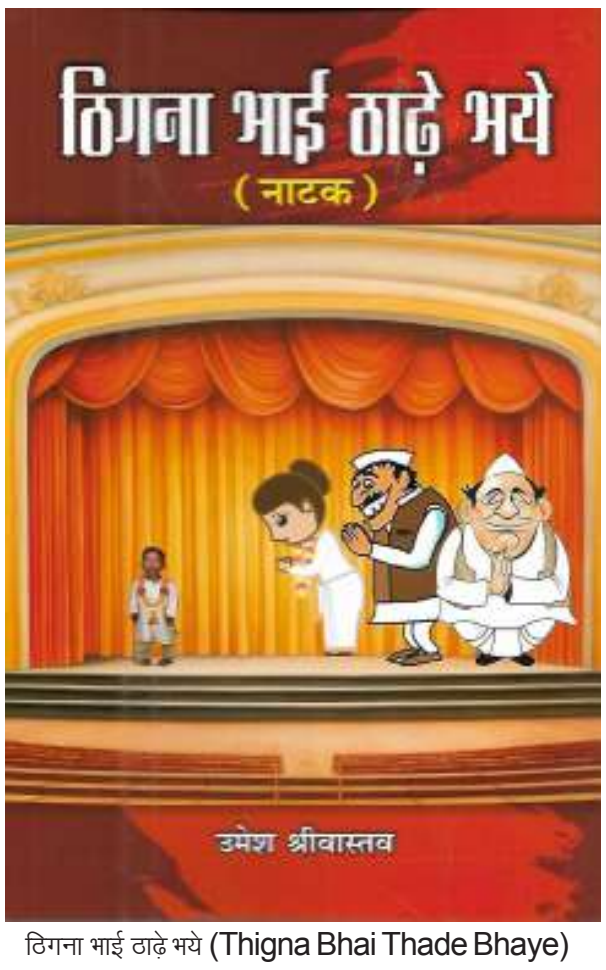

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव का एलान, महाभियोग के जरिए येओल को पद से हटाए जाने के बाद फैसला

सियोल। दक्षिण कोरिया ने नया राष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देश में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल की जगह लेने के लिए 3 जून को राष्ट्रपति चुनाव कराया जाएगा। देश के कार्यवाहक नेता हान डक–सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। यह घोषणा संवैधानिक न्यायालय की ओर से यून सुक येओल को दिसंबर

में मार्शल लॉ लागू करने के दुर्भाग्यपूर्ण मामले में पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद की गई। 3 जून के चुनाव में दो प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। यून की रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी और इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच यह रोचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। देखना होगा कि क्या रूढ़िवादी फिर से संगठित हो सकते हैं और संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ली जे–म्यांग को चुनौती देने के लिए एक मजबूत उम्मीदवार को मैदान में उतार सकते हैं? सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के लिए सत्ता में बने रहना एक कठिन लड़ाई होगी, क्योंकि वह जनता का विश्वास बहाल करने और यून के मार्शल लॉ स्टंट से उपजे गंभीर आंतरिक फूट को ठीक करने के लिए संघर्ष कर रही है।

सर्वेक्षणों में विपक्ष को बढ़त के आसार

विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चला है कि विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग, देश का अगला राष्ट्रपति बनने की रेस में सबसे आगे हैं। जब संवैधानिक अदालत ने यून सुक योल को राष्ट्रपति पद से हटाने का फैसला सुनाया तो उस वक्त राजधानी सियोल में यून सुक योल के खिलाफ एक रैली आयोजित हो रही थी। जैसे ही अदालत ने यून सुक योल को पद से हटाने का फैसला सुनाया तो रैली में लोग खुशी से झूम उठे और नाचने लगे।

पूरे मामले को समझिए

यून सुक येओल ने बीते साल 3 दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था और सैंकड़ों सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को नेशनल असेंबली भेज दिया था। यून सुक योल ने तर्क दिया कि उन्होंने सिर्फ सदन में व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसा किया था, लेकिन जांच के दौरान सैन्य अधिकारियों ने बताया कि यून ने उन्हें विपक्षी सांसदों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया था, ताकि वे यून के आदेश के खिलाफ मतदान न कर सकें। हालांकि, विपक्षी सांसद किसी तरह सफल रहे और उन्होंने योल के आदेश के खिलाफ मतदान कर उसे रद्द करा दिया।

भारतीय मूल के शख्स पर विमान में यौन उत्पीड़न का आरोप, टेक्सास की उड़ान के दौरान हुई वारदात

वासिंग्टन। अमेरिका में एक घरेलू उड़ान में भारतीय मूल के शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों के मुतबिक, शख्स की उम्र 36 साल बताई जा रही है। उस पर एक साथी यात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। मोंटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने 3 अप्रैल को एक बयान में कहा कि भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर मोंटाना से टेक्सास की उड़ान में आपत्तिजनक हरकत और यौन संपर्क का आरोप है।

दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना

बयान में कहा गया, श्न्यू जर्सी के लेक हियावाथा के रहने वाले भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष विमान क्षेत्राधिकार में अपमानजनक यौन संपर्क के लिए एक–मामले में अभियोग लगाया गया। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला को दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना और कम से कम पांच साल की निगरानी रिहाई का सामना करना पड़ सकता है। बयान में आगे कहा गया कि आरोपी को 17 अप्रैल, 2025 को अभियोग के लिए पेश होना है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 26 जनवरी, 2025 को बोजमैन से डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला ने दूसरे यात्री की अनुमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाए। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इस मामले में मुकदमा चला रहा है। बयान में कहा गया है कि एफबीआई, आईसीई और डलास फोर्ट वर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने मामले की गहन जांच की है।

ईरान में बड़ा हादसा: कोयला खदान में गैस रिसाव से सात श्रमिकों की मौत

तेहरान। ईरान के उत्तरी हिस्से में एक कोयला खदान में गैस रिसाव से सात श्रमिकों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में तीन अफगानी थे। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक इरना समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा सोमवार दोपहर राजधानी तेहरान से लगभग 270 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में दमघन शहर के पास हुआ। रिपोर्ट में कहा गया कि सुरक्षा उपायों की अनदेखी की वजह से ऐसा भीषण हादसा हुआ होगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत पर सऊदी अरब ने लगाया बैन! किन 18,407 लोगों को भेजा जेल ?

सऊदी अरब ने भारत के खिलाफ एक ऐसा ऐलान किया है, जिसके बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया है। सऊदी ने भारत को लेकर वीजा बैन का ऐलान कर दिया है। हालांकि ये बैन केवल भारत पर नहीं बल्कि पाकिस्तान समेत 14 देशों पर सऊदी अरब ने लगाया है। सऊदी अरब ने भारत–पाकिस्तान समेत दुनिया के 14 देशों के वीजा पर अस्थायी बैन लगाने का फैसला किया है। सऊदी अरब की सरकार का ये अस्थायी बैन बिजनेस और फैमिली वीजा के साथ साथ उमराह वीजा पर भी लागू होगा। यानी वो लोग जो उमराह करने के लिए सऊदी अरब जाने का ख्वाब देख रहे थे। उस ख्वाब को अब सऊदी अरब ने तोड़ दिया है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद सलमान के नेतृत्व वाली सरकार ने ये फैसला लिया है कि वो भारत, पाकिस्तान समेत 14 देशों पर बैन लगाएंगे। हालांकि ये अस्थायी बैन होगा।

इन देशों पर लगा वीजा बैन

ये बैन सभी देशों पर मध्य जून यानी इस साल के हज पूरा होने तक जारी रहेगा। इसके बाद वीजा प्रोग्राम को फिरे समान्य तौर पर लागू किया जाएगा। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने हज के दौरान व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए 14 देशों के वीजा नियमों में बदलाव की घोषणा की है। सऊदी अरब ने जिन देशों के वीजा पर बैन लगाया उनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मिस्र, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, इराक, जॉर्डन, अल्जीरिया, सूडान, इथियोपिया, ट्यूनेशिया और यमन शामिल हैं। सऊदी अरब में हज 2025 से पहले सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। देशभर में व्यापक अभियान चला कर अवै रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है। सऊदी प्रेस एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मात्र एक हफ्ते में 18,407 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने रेजीडेंसी, लेबर या सीमा सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया है।

क्या है वीज़ा पर रोक लगाने की वजह?

हर साल लाखों लोग सऊदी अरव में हज और उमराह करने के लिए तीर्थयात्रा पर जाते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में कुछ लोग विजिट या उमराह वीजा लेकर सऊदी अरव जाते हैं और वहीं रुककर विना इजाजत हज करते हैं। इससे सरकार द्वारा तय की गई हज कोटा प्रणाली गड़वड़ा जाती है। 2024 के हज सीजन में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें से कई लोग अनधिकृत हाजी थे। उनके पास रहने, दवा, खाने या ट्रांसपोर्ट जैसी सुविधाएं नहीं थीं, जिससे अव्यवस्था और हादसे हुए।

भारत को इस लिस्ट में क्यों?

रिपोर्ट्स के मुताविक, भारत समेत कई देशों के कुछ लोगों ने विजिट या उमराह वीजा का दुरुपयोग किया और विना आधिकारिक रजिस्ट्रेशन के हज किया। इसी कारण भारत को भी इस अस्थायी वीजा रोक की सूची में शामिल किया गया है। यह कदम सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है ताकि 2024 जैसी कोई त्रासदी दोबारा न हो। तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे सिर्फ सरकारी मंजूरी वाले चौनलों से ही हज या उमराह करें, ताकि नियमों का पालन हो और उन्हें कोई परेशानी न हो।

`अल्लाह ने मुझे किसी वजह से ही जिंदा रखा है, मैं वापस आऊंगी', समर्थकों से बोलीं शेख हसीना

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि अल्लाह ने उन्हें किसी वजह से ही अब तक जिंदा रखा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अवामी लीग के सदस्यों की हत्या की है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंसा में मारे गए अवामी लीग के नेताओं के परिजनों से वर्चुअली बात करते हुए ये बात कही। शेख हसीना को हिंसा के चलते बीते साल अगस्त में पीएम पद के साथ ही देश भी छोड़ना पड़ा था।

शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस पर साधा निशाना

शेख हसीना ने इस दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर निशाना साधा और कहा कि श्मोहम्मद यूनुस ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने कभी भी लोगों से प्यार नहीं किया। उन्होंने लोगों को ऊंची ब्याज दर पर लोगों को थोड़े–थोड़े पैसे ब्याज पर दिए और उस पैसे से विदेश में आलीशान जिंदगी गुजारी। हम भी उनके दोहरे चरित्र को समझ नहीं सके और हमारी सरकार ने भी उनकी मदद की, लेकिन लोगों को इससे फायदा नहीं हुआ। मोहम्मद यूनुस ने सत्ता की भूख की वजह से ही अब बांग्लादेश जल रहा है।

अल्लाह मुझसे कुछ अच्छा काम कराना चाहते हैं

शेख हसीना ने निराशा जाहिर करते हुए कहा कि श्एक समय बांग्लादेश को विकास के मॉडल के तौर पर देखा जाता था, लेकिन आज वह देश आतंकी देश में बदल चुका है। हमारे नेताओं को जिस तरह से मारा गया, उसे बताया भी नहीं जा सकता। अवामी लीग के नेता, पुलिस, वकील, पत्रकार और कलाकार सभी को निशाना बनाया जा रहा है।श पूर्व पीएम ने कहा कि श्मैंने अपने पिता, माता, भाई और परिवार के सभी सदस्यों को एक दिन खो दिया था। उस वक्त भी मुझे देश लौटने नहीं दिया गया था। मैं किसी अपने को खोने के दर्द को समझती हूं। अल्लाह ने मुझे बचाया और वह मुझसे कुछ अच्छा काम कराना चाहता है। जो लोग अपराध कर रहे हैं, उन्हें न्याय के दायरे में लाया जाएगा। ये मेरा वादा है।श

बांग्लादेश उठा चुका है प्रत्यर्पण का मुद्दा

शेख हसीना ने कहा कि श्अल्लाह ने उन्हें किसी वजह से ही जिंदा रखा है और मैं जल्द वापस लौटूंगी।श शेख हसीना का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब बांग्लादेश की सरकार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है और जब हाल ही में बिम्सटेक सम्मेलन से इतर पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस की थाईलैंड में मुलाकात हुई थी, उस वक्त भी मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने की मांग उठाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मोहम्मद यूनुस के सामने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हमलों की घटनाओं पर चिंता जाहिर की थी।

बेटी का नाम हिंद, 33,500 करोड़ की संपत्ति, लग्जरी लाइफस्टाइल जान कर फटी रह जाएंगी आंखें

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम फ़ज़ा के नाम से भी जाना जाता है। 8 अप्रैल को भारत आ चुके हैं। उनका औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया और हवाई अड्डे पर राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने उनकी अगवानी की। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भारत आने पर दिल्ली एयरपोर्ट पर सांस्कृतिक

कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। दुबई के क्राउन प्रिंस, यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम 8–9 अप्रैल को भारत आएंगे। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर आ रहे हैं। बयान में यह भी कहा गया था कि यह यात्रा भारत–यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगी और दुबई के साथ हमारे बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, फ़ज़ा ने दुबई के प्रसिद्ध रशीद स्कूल फ़ॉर बॉयज़ से अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की, जिसकी स्थापना 1986 में अमीरात के पहले शासक ने की थी। इसके बाद वे सैंडहर्स्ट में अध्ययन करने के लिए यूके चले गए, जो मध्य पूर्वी राजघरानों द्वारा पसंद की जाने वाली एक प्रतिष्ठित सैन्य अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी है। बाद में लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में भाग लिया। 2008 से, उन्होंने दुबई के क्राउन प्रिंस की उपाधि धारण की है, क्योंकि उनके भाई शेख राशिद को इस पद के लिए नहीं चुना गया था (राशिद का 2015 में 33 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। अपनी लग्जरी लाइफ़स्टाइल की बात करें तो शेख हमदान के शाही शौक भी हैं। वह घुड़सवारी में चौंपियन हैं और कई बड़ी प्रतियोगिताओं में जीत चुके हैं। इसके अलावा उन्हें स्काईडाइविंग, स्कूबा डाइविंग और साइकिलिंग में भी काफी दिलचस्पी है। वह अरबी में कविताएँ लिखते हैं और श्फ़ज़ाश नाम से मशहूर हैं। 2019 में, अमीराती राजकुमार ने फ़ॉर द लव ऑफ़ हॉर्सेस शीर्षक से 18 कविताओं का एक द्विभाषी संग्रह प्रकाशित किया, जिसमें घोड़ों के प्रति उनके जुनून के साथ उनके विचारों को मिलाया गया है। उनकी संपत्ति का अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन उनके पास लग्जरी कारें, प्राइवेट जेट और शाही महल हैं। उनके पास प्राइवेट जेट बोइंग 747, सुपरयाट और फेरारी, लेम्बोर्गिनी और गोल्डन मर्सिडीज सहित लग्जरी कारों का संग्रह है। इंस्टाग्राम पर उनके 16.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को बड़ी राहत, युद्धकालीन कानून के तहत निर्वासन पर रोक लगाने वाला आदेश हटाया

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निचली अदालत के उस आदेश को हटा दिया, जिसमें युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके वेनेजुएला प्रवासियों के निर्वासन पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि 1978 के विदेशी शत्रु अधिनियम के तहत निर्वासन के अधीन प्रवासियों को अपने निष्कासन को कानून रूप से चुनौती देने का मौका दिया जाना चाहिए। एक संघीय अदालत के न्यायाधीश ने राष्ट्रपति ट्रंप के निर्वासन वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वह अब फिर से निर्वासन शुरू कर सकते हैं। शीर्ष कोर्ट का 5–4 का फैसला उन्हें ऐसा करने के लिए फिर से अनुमति देता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस कानून का उपयोग कथित वेनेजुएला गिरोह को सदस्यों को पकड़ने और उन्हें अल साल्वाडोर की जेल में भेजने के लिए किया था। अमेरिका से निर्वासित किए गए वेनेजुएलावासियों के वकीलों ने कहा कि उनके क्लाइंट वेनेजुएला के गिरोह ट्रेन डी अरागुआ के सदस्य नहीं थे, उन्होंने कोई अपराध नहीं किया। लेकिन उन्हें मुख्य रूप से उनके टैटू के आधार पर निशाना बनाया गया। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला अमेरिका में कानून के शासन को बनाए रखने में मदद करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, श्सुप्रीम कोर्ट ने देश में कानून के शासन को बरकरार रखा है। इससे सीमाओं को सुरक्षित रखने और देश की रक्षा करने में मदद मिलेगी। यह अमेरिका में न्याय के लिए एक महान दिन है।

जोर से छींक दिया तो भी ट्रंप निकाल फेकेंगे अपने देश से बाहर? भारतीयों के साथ ये कैसी दोस्ती निभा रहा अमेरिका

अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मामूली अपराधों को लेकर छात्रों के खिलाफ अब इतने सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने अब उन छात्रों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है, जिन पर मामूली से नियम उल्लंघन के आरोप हैं। इनमें से कुछ में यातायात उल्लंघन भी शामिल है। पिछले कुछ दिनों में, अमेरिका में दर्जनों भारतीय छात्रों को उनके नामित स्कूल अधिकारियों (क्वे) से ईमेल प्राप्त हुए, जिसमें कहा गया कि उनका थ–1 छात्र वीजा अब वैध नहीं है और उन्हें तुरंत देश छोड़ने का निर्देश दिया गया। ईमेल में छात्रों के पिछले आपराधिक आरोपों का हवाला दिया गया है। इनमें लेन बदलने से लेकर नशे में गाड़ी चलाने और यहां तक घ्थकि दुकानों में चोरी करने तक के आरोप शामिल हैं। अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ

इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 30 मार्च को सबसे पहले रिपोर्ट की थी कि अमेरिका में सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कैंपस एक्टिविज्म के कारण स्व–निर्वासन के लिए ईमेल मिल रहे थे। इमिग्रेशन वकीलों ने कहा कि छात्रों ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करने जैसी हानिरहित बात के लिए भी अपना वीजा गंवा दिया। इन ईमेल्स में लिखा है कि स्टैट रिकॉर्ड समाप्त होने के बाद अब आपके पास वैध थ–1 नॉन–इमिग्रेशन स्टेटस नहीं है। इसका मतलब है कि अब आपको कानूनी रूप से अमेरिका में रहने की अनुमति नहीं है। स्पष्ट रूप से कहा जाए तो आपका प–20 फॉर्म अब वैध नहीं है और आपका म।क (रोज़गार प्राधिकरण दस्तावेज़) भी अब मान्य नहीं है। इसका तात्पर्य यह है कि अब आपके पास अमेरिका में काम करने का अधिकार भी नहीं है। इसमें कहा गया है कि अगर आपका वीजा रद्द कर दिया गया है, तो इसका मतलब है कि आपके पासपोर्ट में मौजूद थ–1 वीजा अब वैध नहीं है। अगर आप अमेरिका में हैं, तो आपको तुरंत प्रस्थान की योजना बनाने की ज़रूरत हो सकती है। मिसौरी, टेक्सास और नेब्रास्का समेत अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को हाल ही में ईमेल मिले हैं। टीओआई ने कम से कम पाँच ऐसे छात्रों से बात की, जिन्हें पिछले 15 दिनों में ईमेल मिले हैं। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, इनमें से प्रत्येक अपराध के लिए निर्वासन हो सकता है, लेकिन अमेरिका में इमिग्रेशन वकीलों का कहना है कि अतीत में, इनके कारण शायद ही कभी निर्वासन हुआ हो।

ट्रंप के टैरिफ से तेल की कीमतों में आई गिरावट, भारी दबाव में आए पुतिन

मॉस्को। यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से रूस की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तेल, ऊर्जा और खनिजों के निर्यात पर निर्भर हो गई है।

यही वजह रही कि पश्चिमी देशों के तमाम प्रतिबंध लगाने के बावजूद पुतिन को परेशानी नहीं हुई, लेकिन अब लगता है कि ट्रंप के टैरिफ लगाने से रूस पर दबाव बढ़ गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।